स्टेप राइट अप

कैसे डॉक्टर-की और जिम-की ने दुनिया को दयालुता के बारे में सिखाया

डोना जेनेल बोमन, चित्र: डैनियल मिन्टर

एक घोड़ा जो पढ़, लिख, जादू और गणित कर सकता है? हास्यास्पद! 1800 के दशक के अंत में लोग यही सोचते थे - जब तक कि उनकी मुलाकात खूबसूरत जिम-की से नहीं हुई.

1889 में एक कमज़ोर और लड़खड़ाते हुए बछड़े के रूप में जन्मे, जिम घोड़े की देखभाल विलियम "डॉक्टर" ने की, जो एक पूर्व गुलाम थे और स्वयं-शिक्षित पशुचिकित्सक थे. डॉक्टर दयालुता, धैर्य और घरेलू उपचार के साथ जानवरों का इलाज करने में विश्वास करते थे. डॉक्टर की निगरानी में, जिम आश्चर्यजनक प्रतिभा वाला एक स्वस्थ युवा घोड़ा बन गया और उसकी सीखने की आदत पड़ गई! सात वर्षों तक, डॉक्टर और जिम ने मिलकर, जिम के कौशल को निखारने का काम किया. फिर उन्होंने सड़क पर लंबी यात्राएं कीं. उन्होंने पूरे संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा की और जिम ने अपने अद्भुत प्रदर्शन से लाखों दर्शकों को प्रभावित किया. इस प्रक्रिया में, उन्होंने नस्लीय बाधाओं को तोड़ा और जानवरों के साथ मानवीय व्यवहार की जागरूकता फैलाई.

यह एक उल्लेखनीय व्यक्ति और उसके असाधारण घोड़े की दिलचस्प सच्ची कहानी है. साथ में उन्होंने दुनिया से आगे बढ़ने और जानवरों के प्रति दयालु बनने के संदेश को अपनाने के लिए कहा.

स्टेप राइट अप

कैसे डॉक्टर-की और जिम-की ने दुनिया को दयालुता के बारे में सिखाया

डोना जेनेल बोमन

चित्र: डैनियल मिन्टर

1889 के वसंत ने टेनेसी के शेल्बीविले में जंगली फूलों की एक चादर फैली थी, लेकिन विलियम "डॉक" ने उसपर कोई ध्यान नहीं दिया. वो एक भावी पिता की तरह उत्सुकता से आगे-पीछे टहलते रहे. उन्होंने पहले भी कई जानवरों के जन्म में सहायता दी थी, लेकिन यह एक विशेष अवसर था. जब उन्होंने अपनी घोड़ी लॉरेटा को देखा, तो उनके दिमाग में भविष्य के एक "चैंपियन" घोड़े का सपना घूमने लगा. अंत में एक काला, गीला घोड़े का बछड़ा उनके पास पड़ा हुआ कांप रहा था.

डॉक्टर ने छोटे बछड़े का स्वागत करने के लिए अपने घुटने टेके, लेकिन बछड़े के साथ बहुत गलत था. डॉक्टर ने कहा, "मैंने अब तक जो जानवर देखे हैं, वो उनमें से सबसे अधिक टेढ़ी-मेढ़ी टांगों वाला जानवर है."

अधिकांश लोगों ने उसी समय बछड़े को छोड़ दिया होता. लेकिन डॉक्टर के मन में बचपन से ही एक दयालु प्रवृत्ति थी.
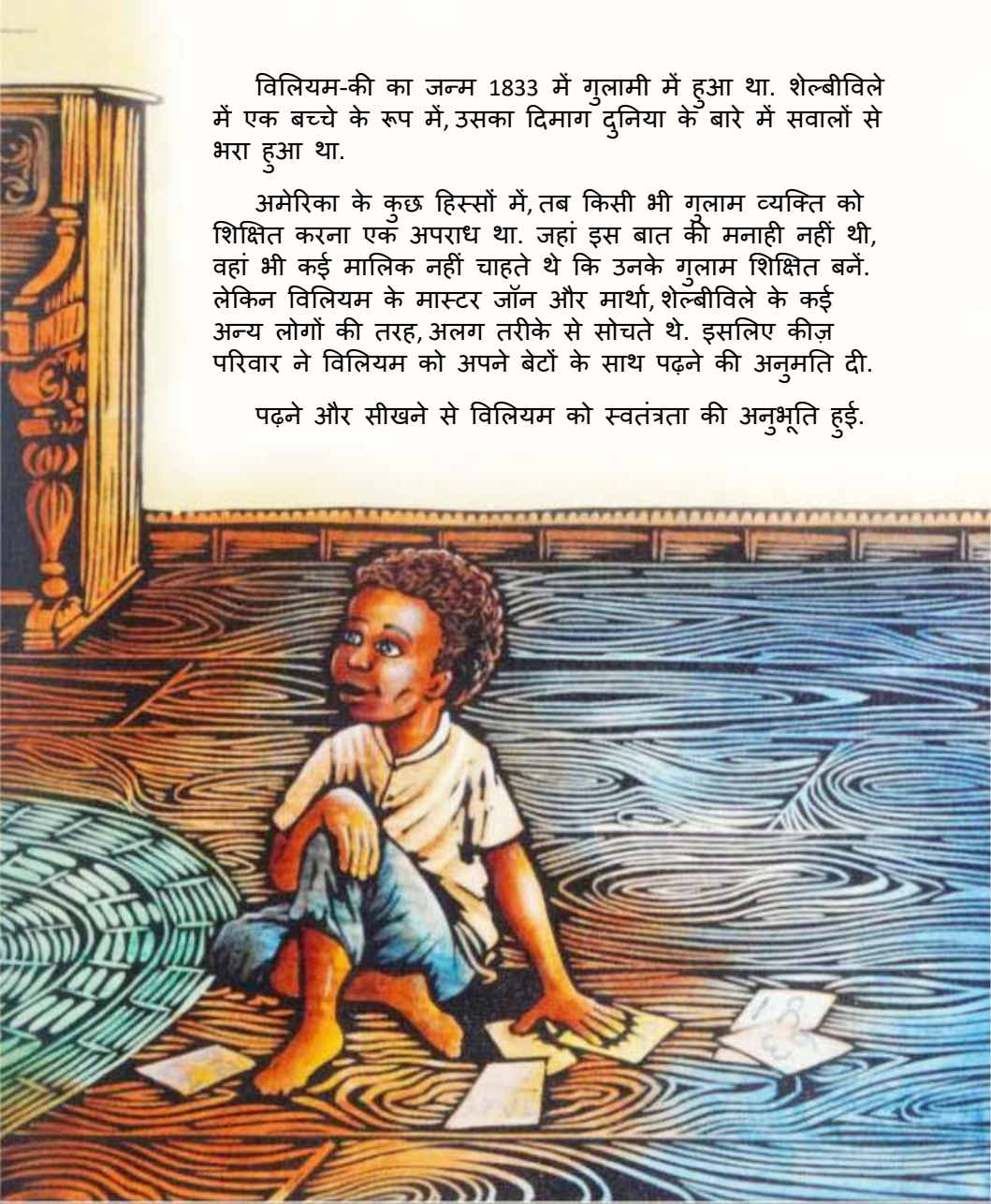
विलियम-की का जन्म 1833 में गुलामी में हुआ था. शेल्बीविले में एक बच्चे के रूप में, उसका दिमाग दुनिया के बारे में सवालों से भरा हुआ था.

अमेरिका के कुछ हिस्सों में, तब किसी भी गुलाम व्यक्ति को शिक्षित करना एक अपराध था. जहां इस बात की मनाही नहीं थी, वहां भी कई मालिक नहीं चाहते थे कि उनके गुलाम शिक्षित बनें. लेकिन विलियम के मास्टर जॉन और मार्था, शेल्बीविले के कई अन्य लोगों की तरह, अलग तरीके से सोचते थे. इसलिए कीज़ परिवार ने विलियम को अपने बेटों के साथ पढ़ने की अनुमति दी.

पढ़ने और सीखने से विलियम को स्वतंत्रता की अनुभूति हुई.

जब विलियम लगभग छह वर्ष का था, तभी से यह स्पष्ट हो गया था कि उसका जानवरों के प्रति एक विशेष लगाव था. जानवर चाहे कितने भी जंगली या दुष्ट क्यों न हों, विलियम उससे मित्रता कर लेता था और उसे वश में कर लेता था. उसे घोड़ों से विशेष प्रेम था.

कुछ साल बाद, विलियम के मालिकों ने उसे अन्य किसानों के जानवरों की देखभाल का काम करने के लिए बेडफोर्ड काउंटी में भेजना शुरू कर दिया. इन यात्राओं के दौरान, विलियम ने देखा कि बहुत से जानवरों की उपेक्षा की जाती थी, उन्हें पीटा जाता था और कभी-कभी उन्हें मौत के घाट उतार दिया जाता था. उसके बजाए विलियम जानवरों के साथ सौम्य और धैर्यवान रहता था. वो सोचता था कि जानवरों को कष्ट पहुंचाने से बुरा और कुछ भी नहीं था.

विलियम ने जानवरों और मनुष्यों की चोटों और बीमारियों की देखभाल के बारे में सब कुछ सीखा. जब उसकी मां ने उसे जड़ों और जड़ी-बूटियों से बने घरेलू उपचारों के बारे में सिखाया तो उसने विशेष ध्यान दिया. जैसे-जैसे विलियम ने विभिन्न फार्मों और व्यवसायों में काम किया, उसके डॉक्टरी कौशल विकसित हुए और पूरे टेनेसी में उसकी प्रतिष्ठा बढ़ी. जब वो युवा थे, तब विलियम चोटों और बीमारियों का इलाज करने में इतने अच्छे थे कि हर कोई उन्हें डॉक्टर या सिर्फ "डॉक" बुलाने लगा.

1865 में गृहयुद्ध समाप्त हो गया और फिर डॉक ने एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में एक नया जीवन शुरू किया. उन्होंने शादी की और शेल्बीविले में जमीन का अपना पहला टुकड़ा खरीदा. वो उनके लिए घोड़ा अस्पताल बनाने के लिए एकदम सही स्थान था. डॉक ने की-स्टोन लिनिमेंट (मलहम) सहित दवाओं की अपनी श्रृंखला भी विकसित की, जिसका उपयोग घोड़ों और इंसानों दोनों के इलाज के लिए किया जा सकता था.
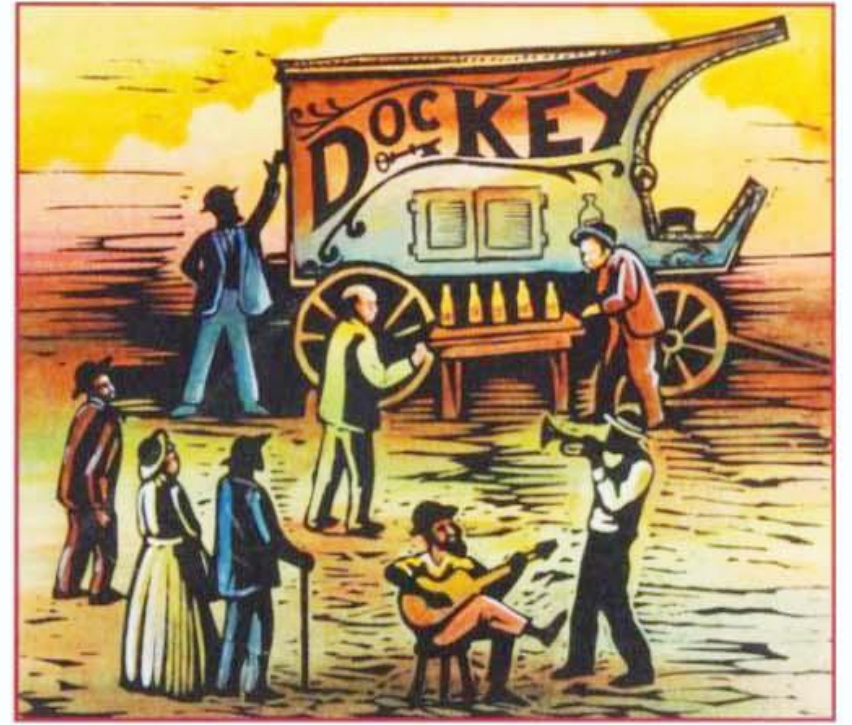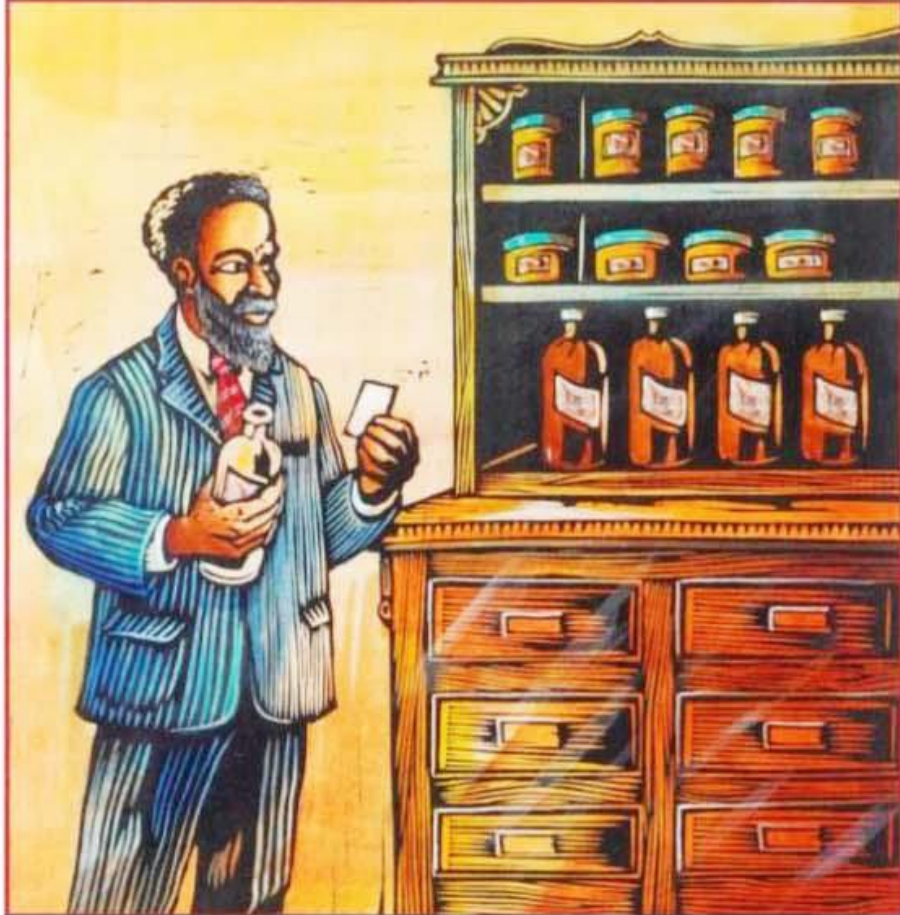
युद्ध के बाद, पूर्व में गुलाम बनाए गए कई लोगों को, गोरे लोगों के नस्लवाद और पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ा. गोरे लोग अश्वेतों को, अपने बराबर का नहीं मानते थे. डॉक्टर ने फैसला किया कि उनके सामने आए पूर्वाग्रहों को दूर करने का सबसे अच्छा तरीका होगा कि वो हर किसी से दोस्ती बनाएं और उन्हें दिखायें कि वो खुद एक सफल व्यवसायी बन सकते थे. अंत में उन्होंने एक लोहार की दुकान, एक वैगन व्हील और काठी बनाने की दुकान, एक रेस्तरां और एक होटल खोला. उन्होंने एक रेसट्रैक भी बनाया और अपने खुद के बेहतरीन रेसघोड़े पालने का सपना देखा.

डॉक का की-स्टोन लिनिमेंट मलहम इतना लोकप्रिय हुआ कि फिर उन्होंने एक मेडिसिन वैगन खरीदी, मनोरंजन करने वालों को काम पर रखा और सड़क पर लम्बी यात्रायें कीं. उन्होंने अपनी दवायें दक्षिण के तमाम शहरों में बेचीं. जल्द ही डॉक, शेल्बीविले के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक बन गए.
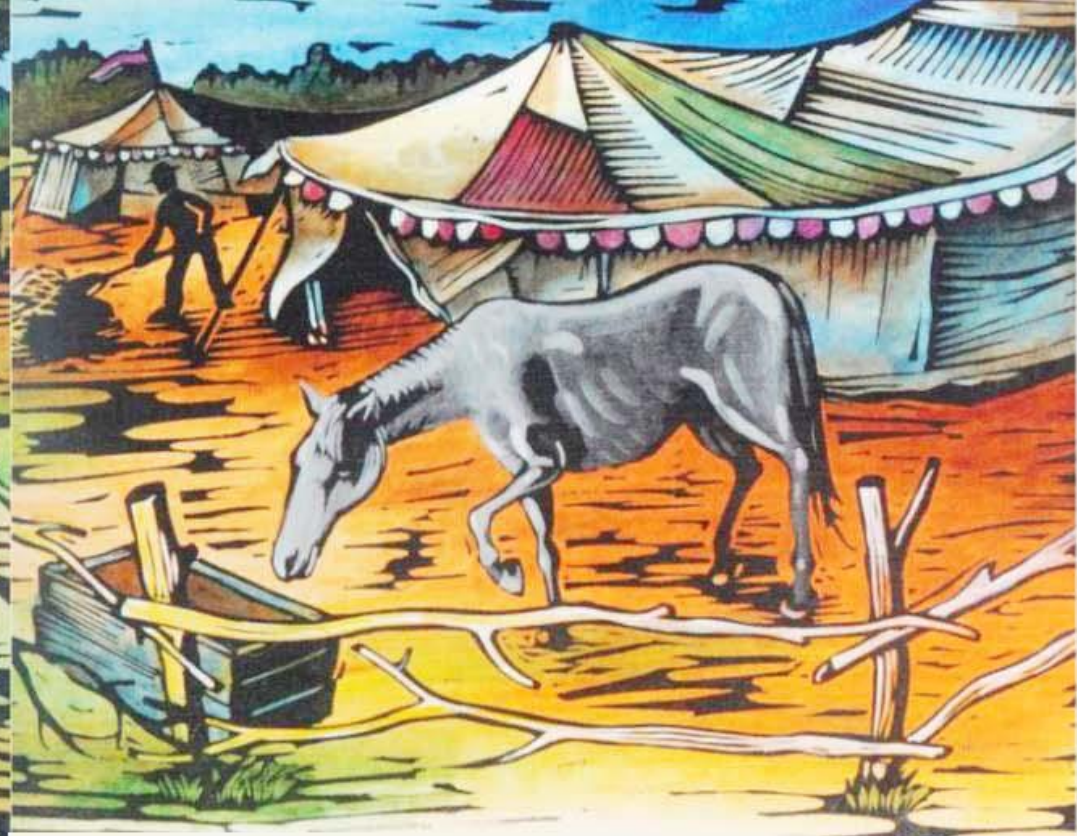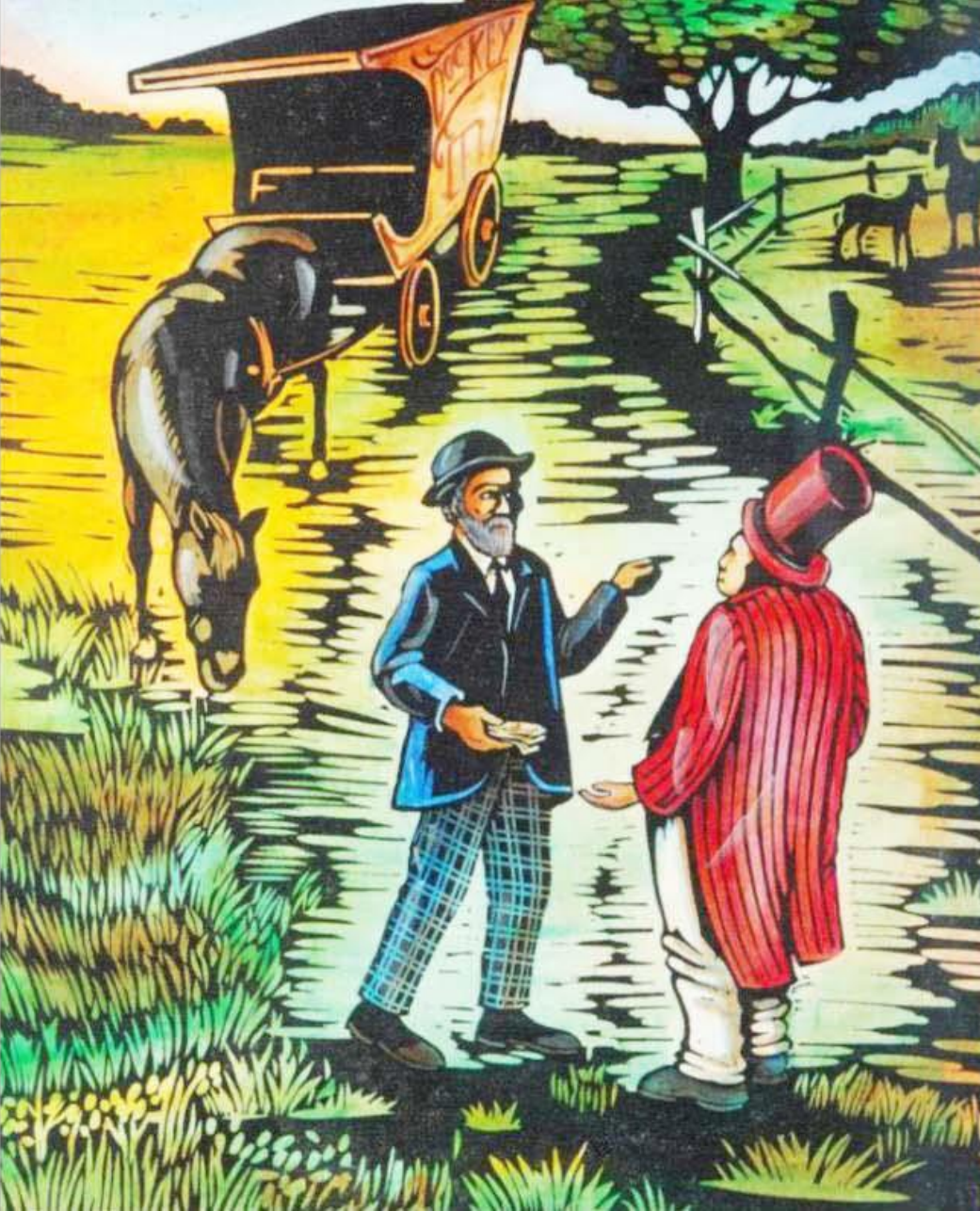
एक दिन जब डॉक और उनकी बग्घी एक धूल भरे शहर से गुजर रही थी, उन्होंने टुपेलो, मिसिसिपी में एक खस्ताहाल सर्कस के बारे में सुना. सर्कस अपने घोड़ों को बेचने की कोशिश कर रहा था. जैसे ही वो सर्कस के पास पहुंचे, डॉक्टर ने एक दुबली भूरे रंग की घोड़ी देखी. वो उपेक्षित और प्रताड़ित दिख रही थी, और वो लंगड़ा कर चल रही थी. उसकी दुखद स्थिति के बावजूद डॉक्टर ने पहचान लिया कि वो घोड़ी शुद्ध नस्ल की, एक अरबी घोड़ी थी, जो अपनी बुद्धिमत्ता और गति के लिए बेशकीमती और मशहूर थी.

डॉक्टर ने लॉरेटा नामक घोड़े को चालीस डॉलर में खरीदा और फिर वो उनके परिवार का एक हिस्सा बन गई.

डॉक्टर ने प्यार से लॉरेटा की देखभाल की और उसे स्वस्थ बनाया. जब वो फिर से मजबूत बनी, तो उन्होंने घोड़ी का, देश के सबसे तेज़ रेसिंग स्टालियन के साथ सम्भोग कराया. डॉक्टर को उम्मीद थी कि उस घोड़ी की संतान बड़ी होकर एक चैंपियन रेसहॉर्स बनेगी.

लेकिन 1889 में उस वसंत के दिन बीमार बछड़े को देखकर डॉक्टर का दिल लगभग टूट गया. एक पल में, डॉक का रेस में दौड़ने वाले घोड़े का सपना गायब हो गया.
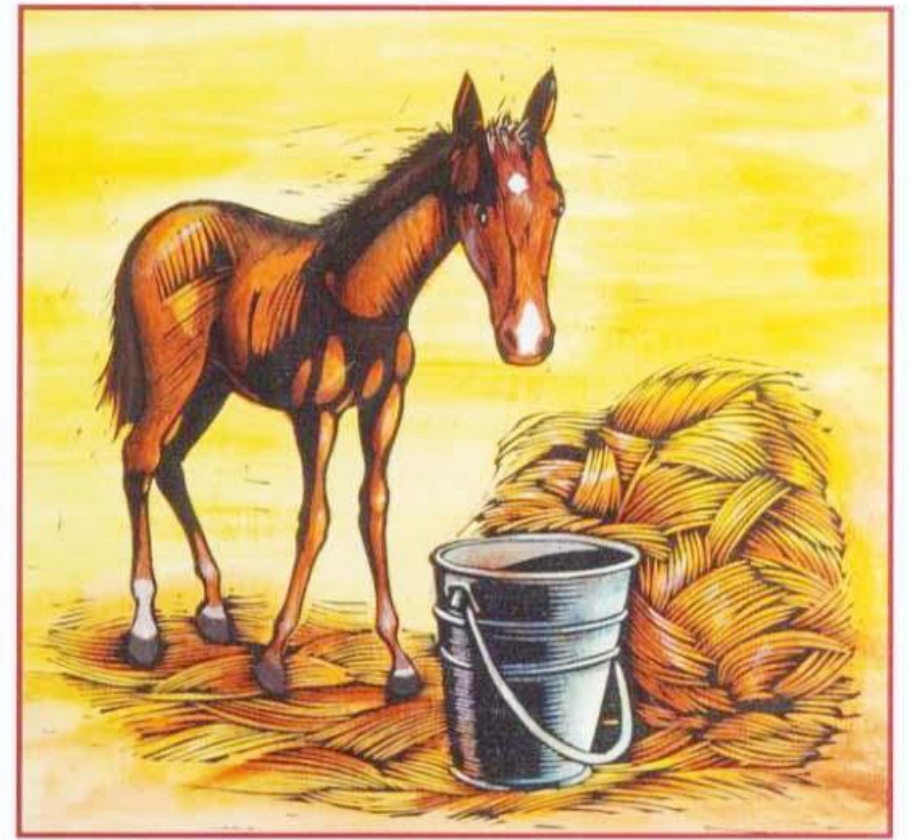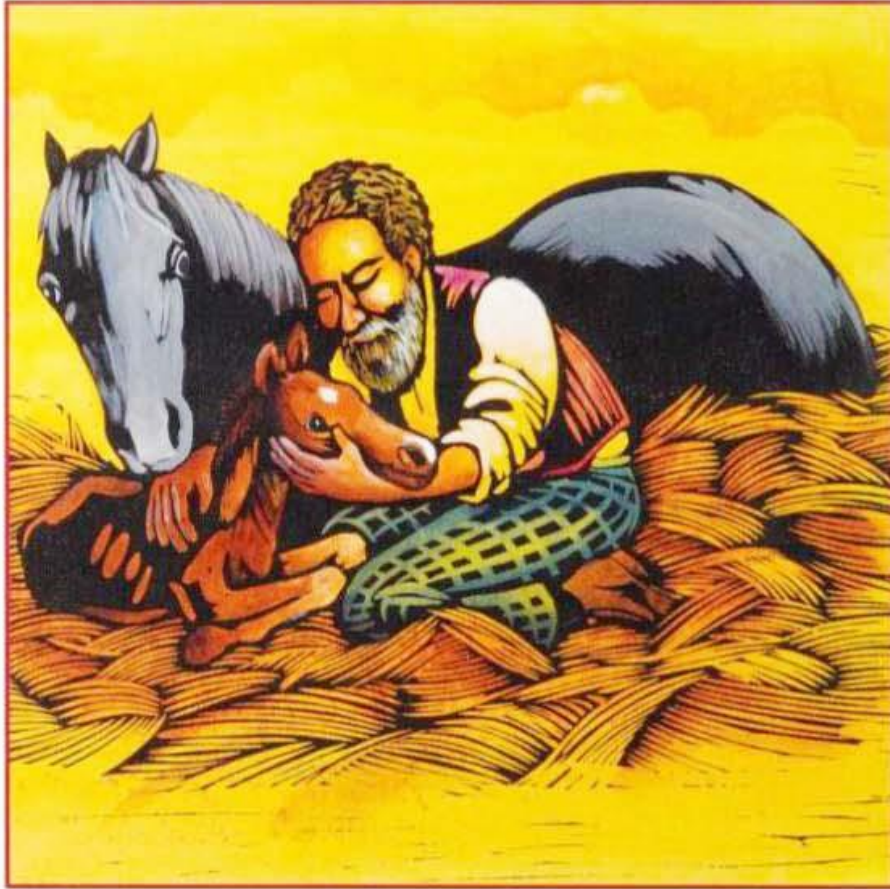
कई हफ़्तों तक युवा घोड़ा बड़ी मुश्किल से ही चल पाया. दोस्तों ने डॉक्टर से बछड़े को उसके दुख से मुक्त करने का आग्रह किया, लेकिन डॉक्टर ने उनकी बात नहीं सुनी. जैसे ही उन्होंने लॉरेटा को फिर से स्वस्थ बनाया, डॉक्टर ने उसके बच्चे की मदद करने की भी कसम खाई. उन्होंने उसे बिल्कुल सही भोजन और दवाइयां दीं. उन्होंने बछड़े के दुबले-पतले पैरों की मालिश की, उसके टेढ़े-मेढ़े कोट को संवारा, और उसके सही नामकरण पर विचार किया. डॉक ने घुड़दौड़ के घोड़े के लिए जो बाइबिल आधारित नाम चुना था, वो उस लड़खड़ाते हुए घोड़े के लिए उपयुक्त नहीं था, इसलिए डॉक ने उसे जिम-की के नाम से बुलाया.

डॉक्टर की देखरेख में, जिम के स्वास्थ्य में सुधार हुआ, और उसकी जिज्ञासा बढ़ी. जल्द ही जिम, डॉक्टर की हर गतिविधि का अध्ययन करने लगा, यहां तक कि जब डॉक्टर अपने कुत्ते के साथ खेलते थे. फिर एक दिन, जिम अपने मुंह में एक छड़ी पकड़कर टेढ़ा-मेढ़ा चलने लगा. डॉक्टर हंसे और उन्होंने छड़ी को दूर फेंक दिया. जिम एक अनाड़ी कुत्ते की तरह छड़ी पकड़ने के लिए दौड़ा.

"मैं आपको बताता हूं, कि वो एक जानकार बछड़ा था," डॉक्टर ने कहा. "उसने मुझे दिखाया कि वो छड़ी ला सकता था. जिम अन्य चालें भी सीखने करने की कोशिश करने लगा जो कोई कुत्ता कर सकता था." जिम ने बैठना, मृत होने की ऐक्टिंग करना, बीमार होने का अभिनय करना और संकेत पाकर पलटना भी सीखा.
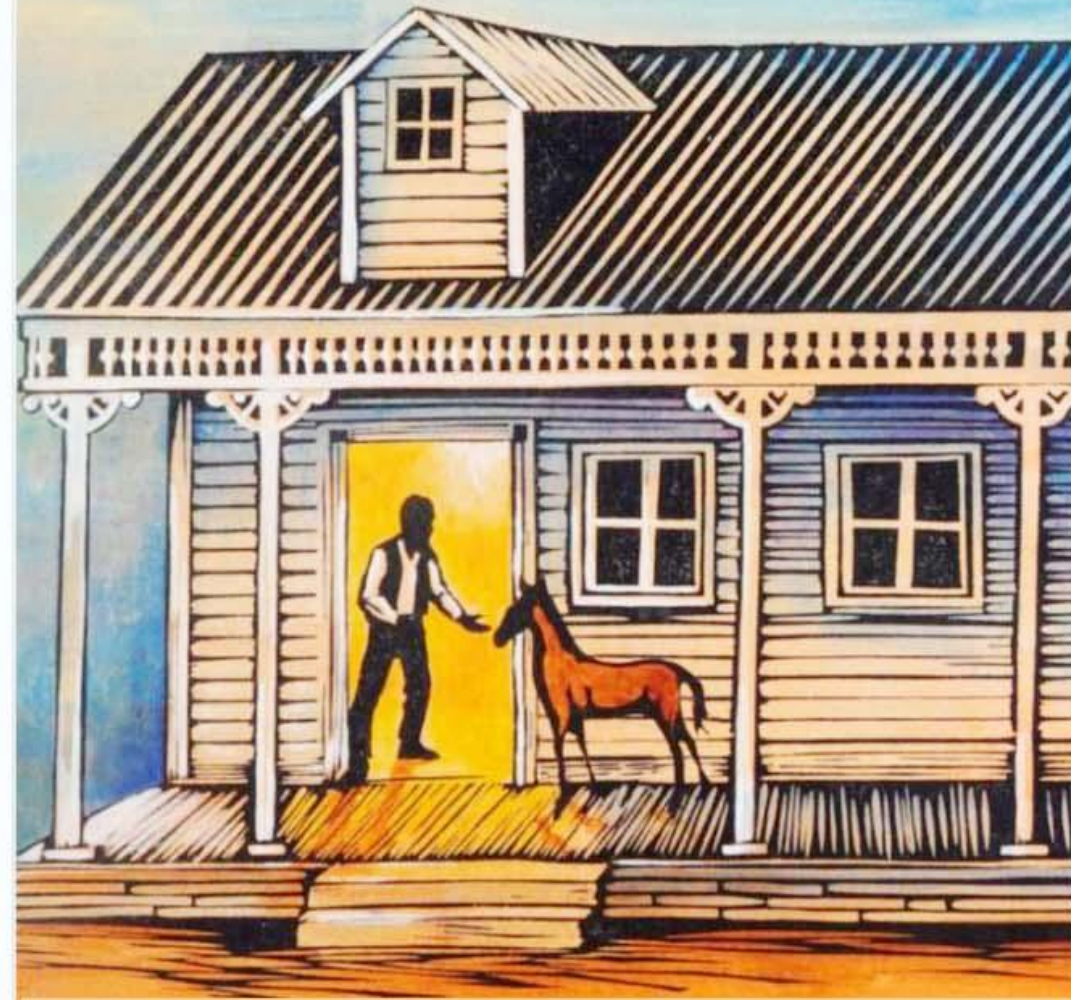
जब जिम लगभग एक वर्ष का था, तब लॉरेटा की मृत्यु हो गई. डॉक्टर का दिल टूट गया, लेकिन उन्हें जिम की भी चिंता थी. अनाथ बछड़े को रात-दिन देखभाल की ज़रूरत थी. इसलिए, डॉक्टर जिम को, बरामदे की सीढ़ियों से अपने घर के अंदर लाये. युवा घोड़ा, घर का अच्छी तरह से अभ्यस्त हो गया.
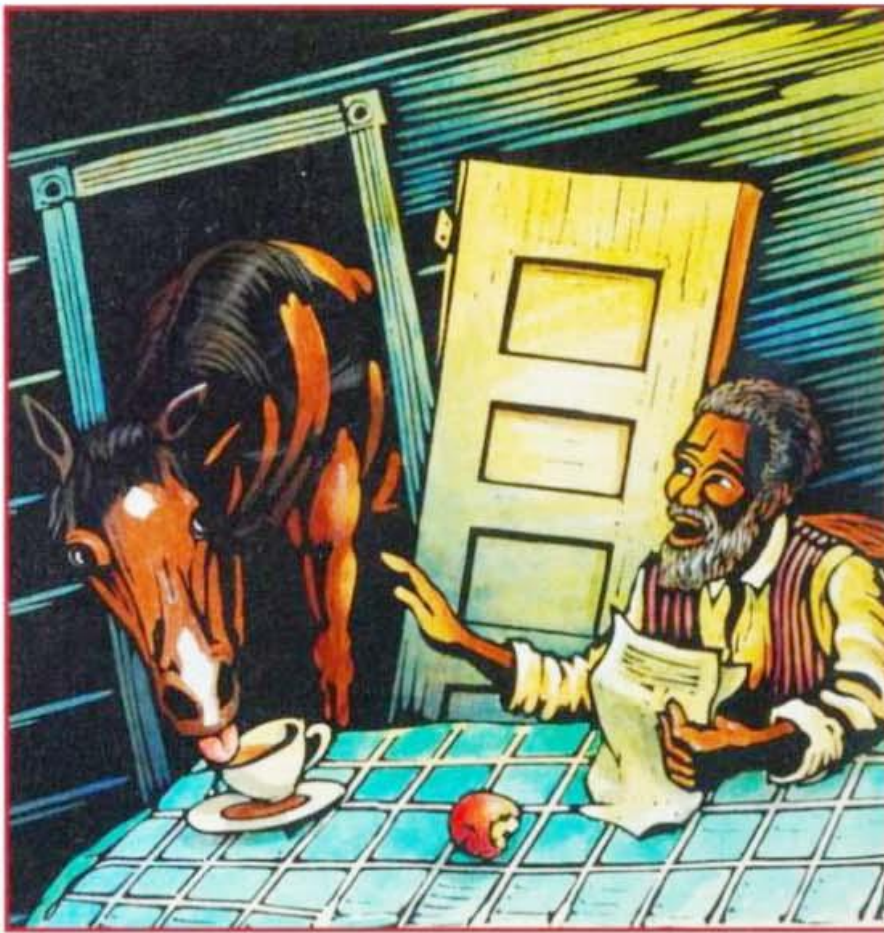
जब डॉक्टर पैसे गिनते तो जिम उन्हें देखता रहता था. जब डॉक्टर पत्र लिखते, तो जिम उन्हें देखता था. जब डॉक्टर दराजें खोलते और बंद करते, तो भी जिम उन्हें देखता था. "बहुत जल्द, उसने मेरी नकल करने की कोशिश करते हुए मुझे घूरना शुरू कर दिया," डॉक्टर ने कहा.

समय के साथ जिम के पैर सीधे हो गए और उसकी मांसपेशियां तन गईं. वो एक सुंदर युवा घोड़े के रूप में विकसित हुआ - पर अब घर उसके लिए छोटा पड़ गया.

डॉक्टर को पता था कि उनके चार पैरों वाले मेहमान को, अब अस्तबल में वापस जाना चाहिए था. लेकिन जिम ने तब तक जोरदार हंगामा मचाया, जब तक डॉक्टर, जिम के स्टॉल की बगल में एक खाट पर सोने के लिए नहीं गए. फिर डॉक्टर अपनी डेस्क और अपने कार्यालय का अधिकांश सामान भी वहीं ले गए. कुछ समय बाद वो व्यावहारिक रूप से जिम के साथ अस्तबल में रह रहे थे.
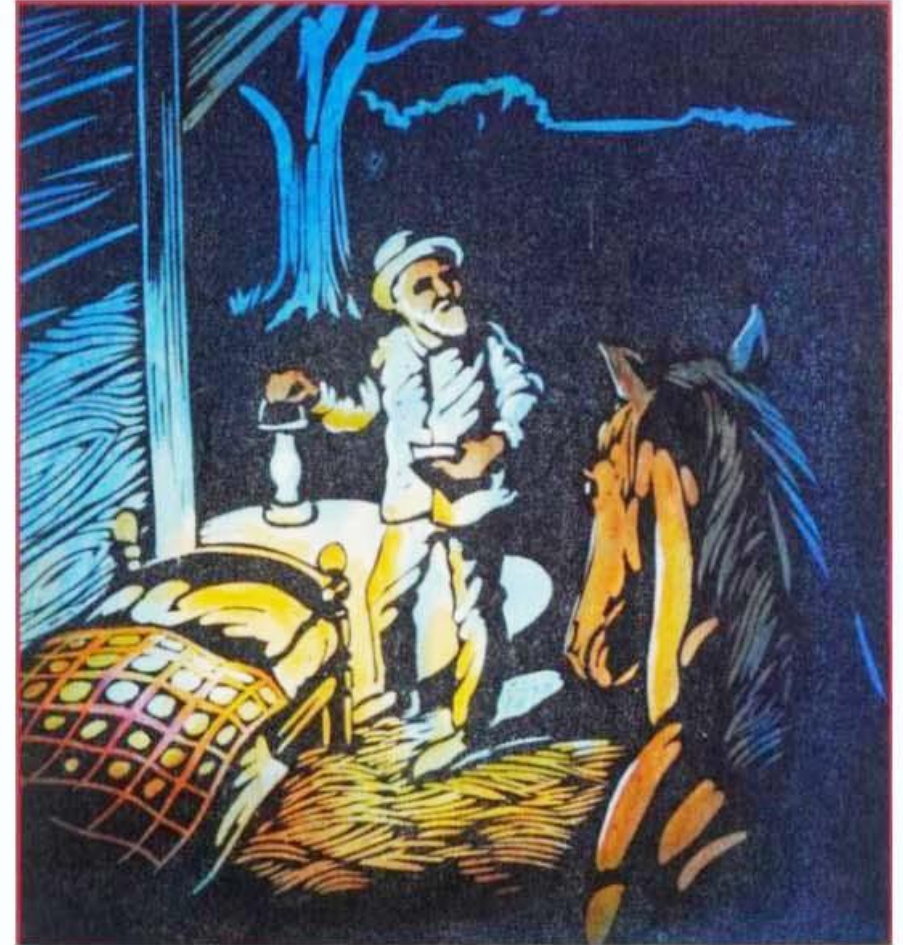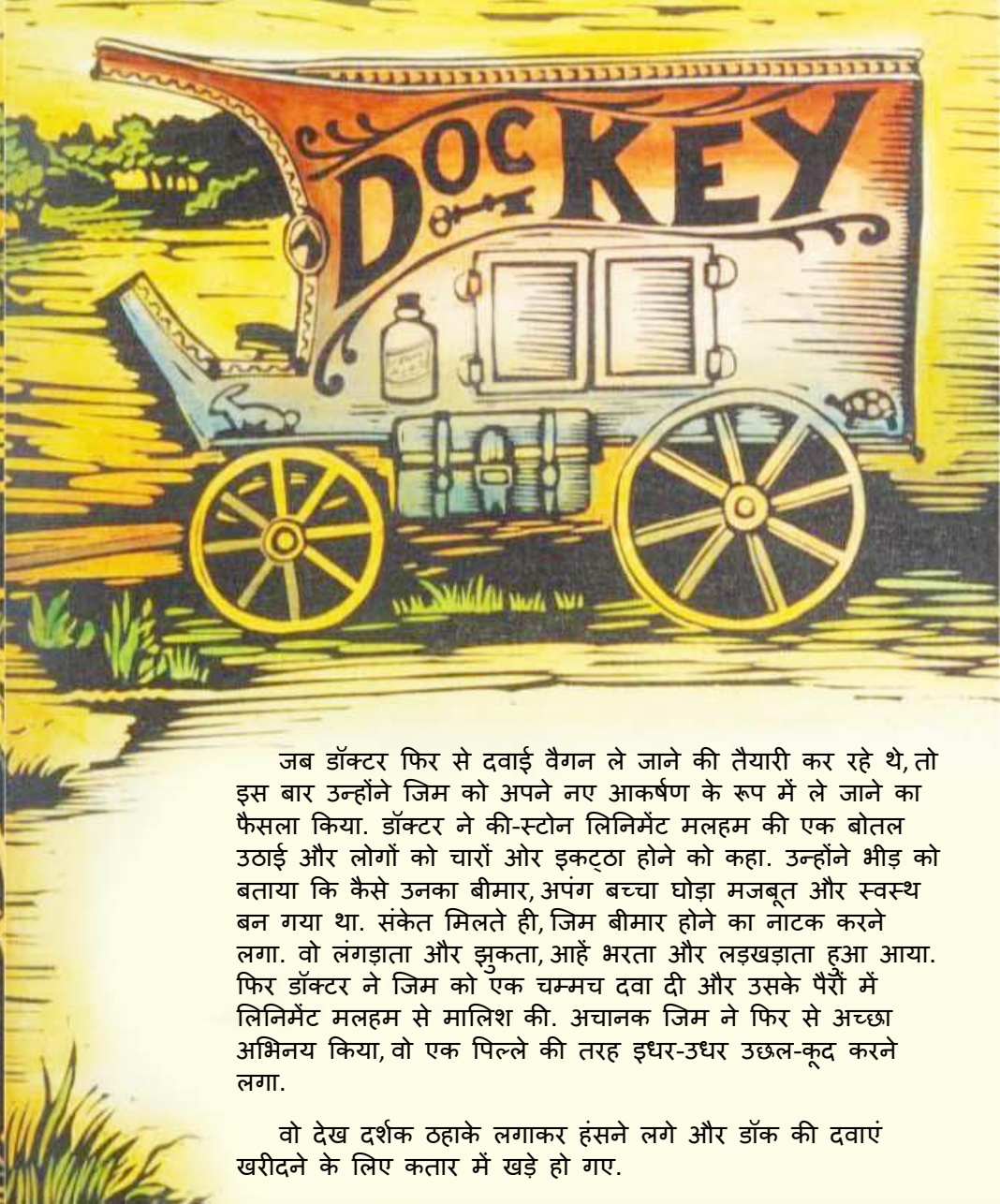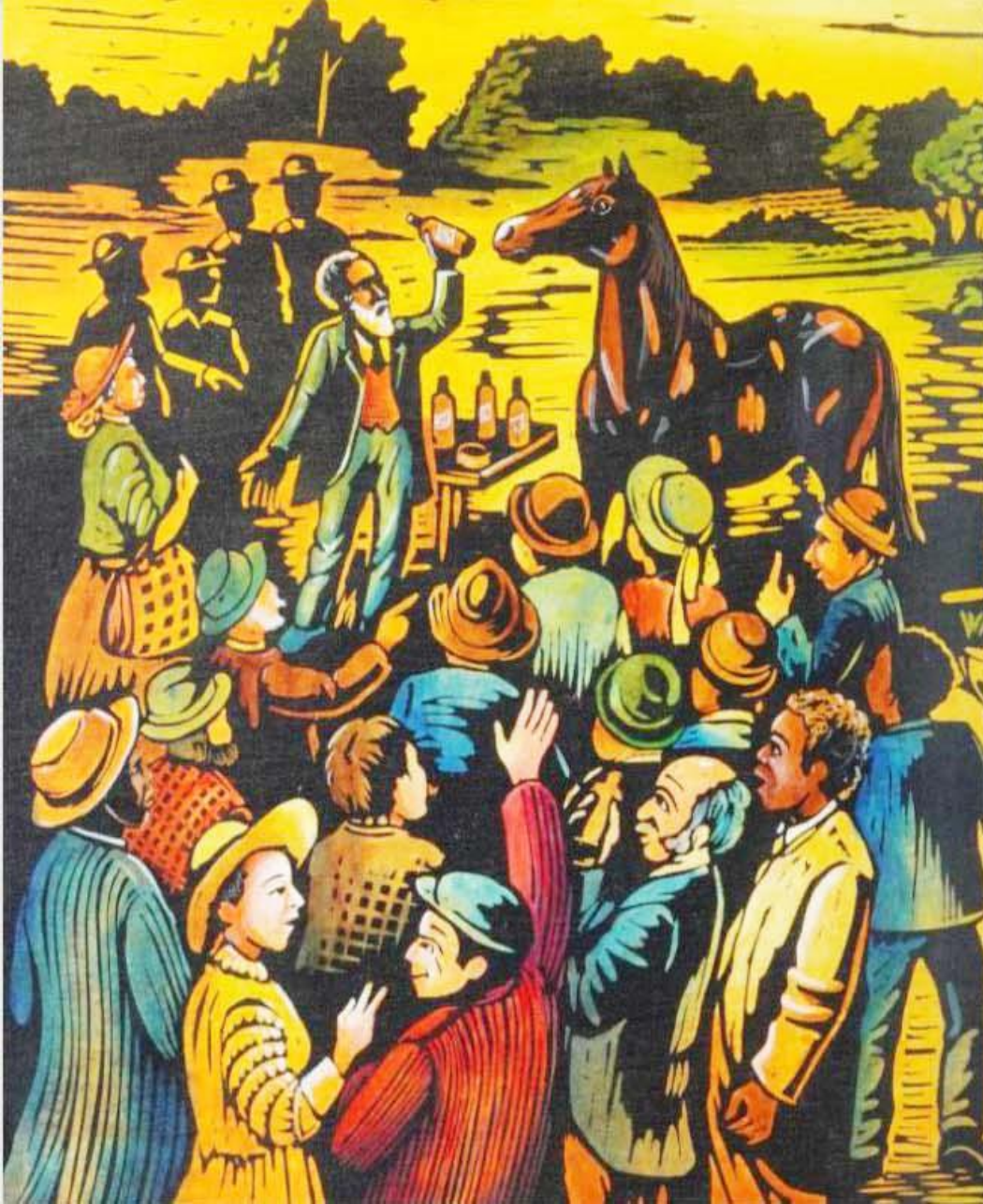
जब डॉक्टर फिर से दवाई वैगन ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तो इस बार उन्होंने जिम को अपने नए आकर्षण के रूप में ले जाने का फैसला किया. डॉक्टर ने की-स्टोन लिनिमेंट मलहम की एक बोतल उठाई और लोगों को चारों ओर इकट्ठा होने को कहा. उन्होंने भीड़ को बताया कि कैसे उनका बीमार, अपंग बच्चा घोड़ा मजबूत और स्वस्थ बन गया था. संकेत मिलते ही, जिम बीमार होने का नाटक करने लगा. वो लंगड़ाता और झुकता, आहें भरता और लड़खड़ाता हुआ आया. फिर डॉक्टर ने जिम को एक चम्मच दवा दी और उसके पैरों में लिनिमेंट मलहम से मालिश की. अचानक जिम ने फिर से अच्छा अभिनय किया, वो एक पिल्ले की तरह इधर-उधर उछल-कूद करने लगा.

वो देख दर्शक ठहाके लगाकर हंसने लगे और डॉक की दवाएं खरीदने के लिए कतार में खड़े हो गए.

एक दिन घर वापस आते समय, डॉक्टर की पत्नी नाश्ता खाते हुए अस्तबल में चली गईं.

"जिम, क्या तुम्हें सेब चाहिए?" उन्होंने जिम से पूछा और घोड़े ने तुरंत अपना सिर ऊपर-नीचे हिलाया. पत्नी वापस घर में दौड़ी और बोली, "डॉक्टर, डॉक्टर, घोड़ा हां कह सकता है!"

डॉक्टर को आश्चर्य होने लगा कि उसका घोड़ा और क्या सीख सकता था.
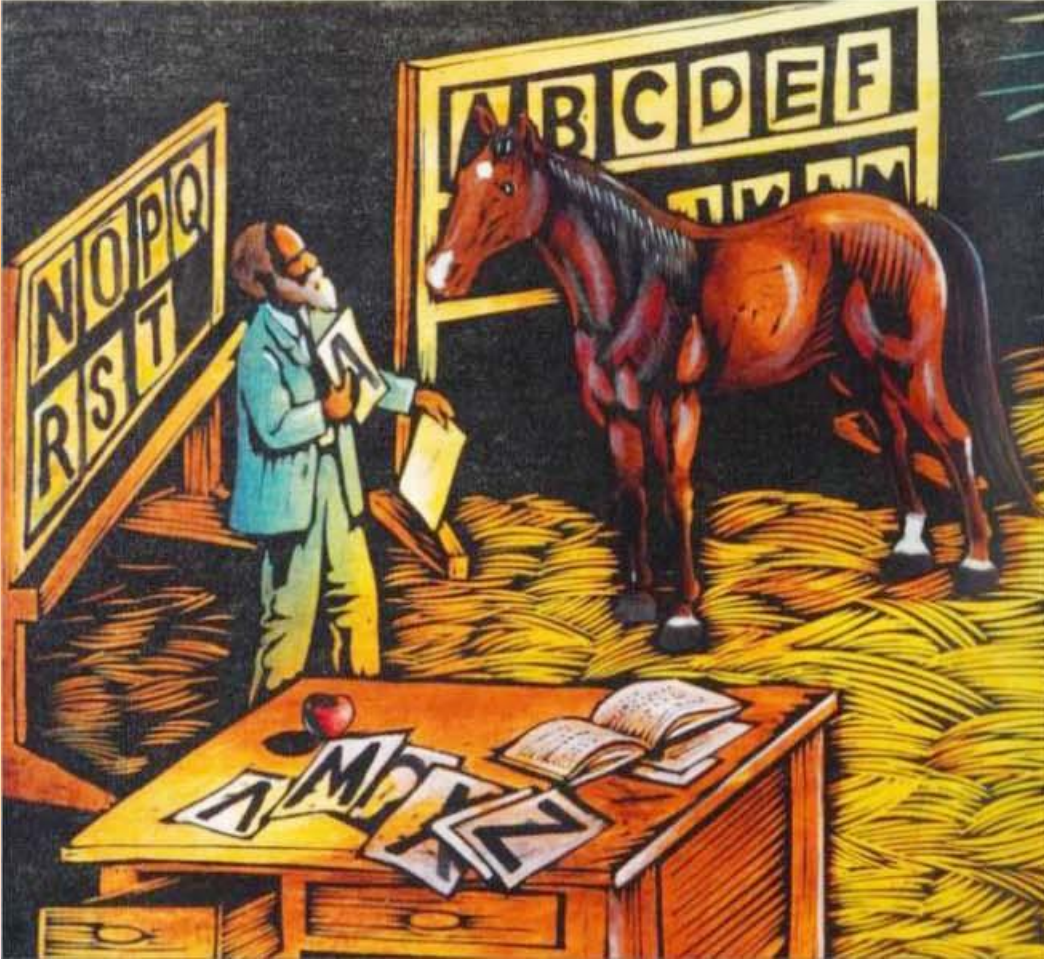
डॉक्टर ने अस्तबल को घोड़े की कक्षा में बदल दिया. डॉक्टर ने A अक्षर से चिह्नित कार्डबोर्ड के एक वर्ग पर चीनी का लेप किया और उसे जिम के सामने रख दिया.

"A. A, A," डॉक्टर ने कहा कि जिम ने अपने कान घुमाए और सुना. फिर उसने कार्ड को तब तक चाटा जब तक कि वो गीला नहीं हो गया.

डॉक्टर ने टिन से एक नया कार्ड बनाया. जिम के होठों के बीच कार्ड फिसलाते समय वह हर दिन धैर्यपूर्वक "A. A, A," दोहराता था. कई हफ्तों तक जिम सिर्फ चीनी चाटता रहा और अपने शिक्षक को घूरता रहा. डॉक्टर ने आह भरी और अपना सिर हिलाया, लेकिन वो अपनी बात पर कायम रहे.
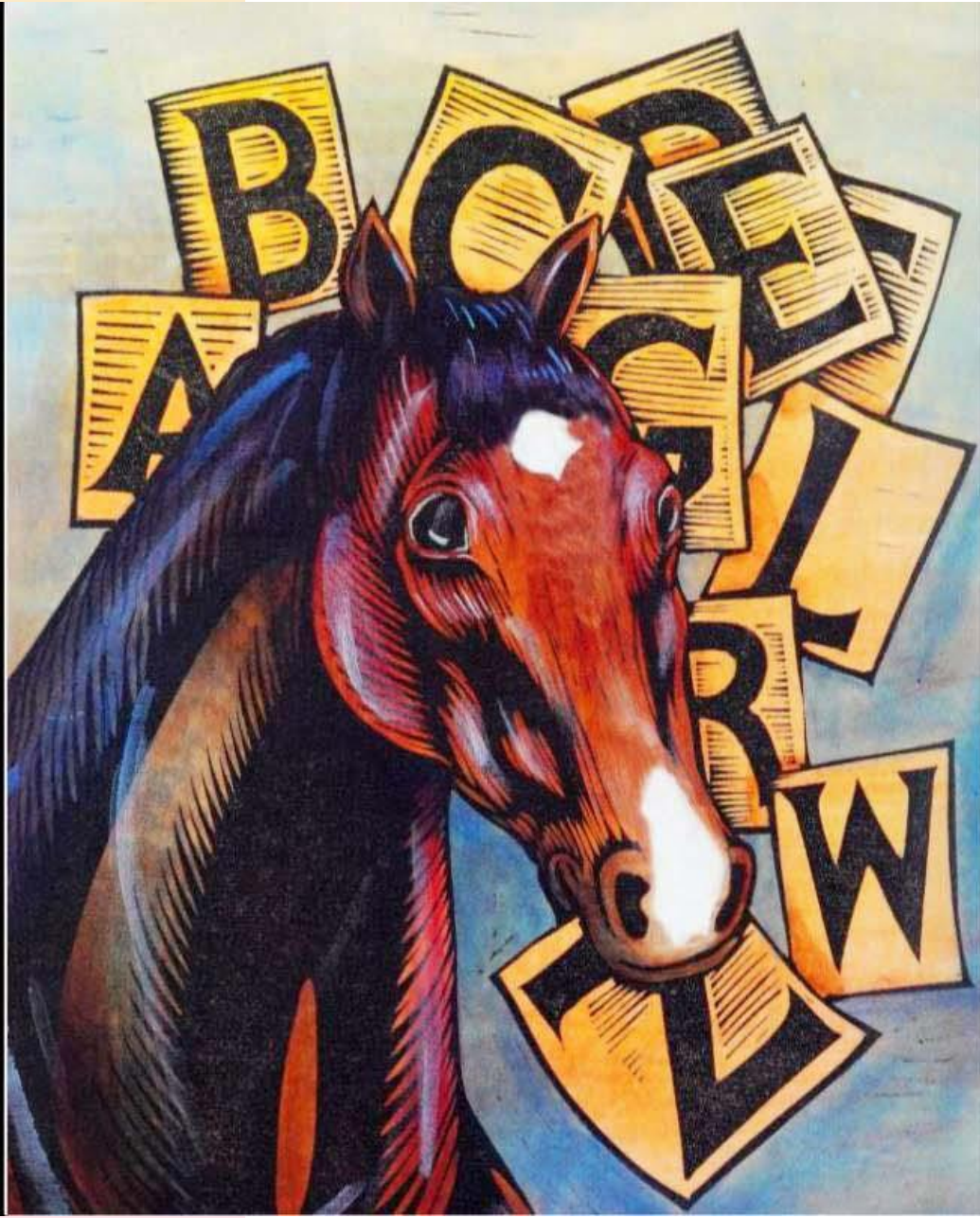
छह महीने के बाद आख़िरकार जिम को समझ आया. यदि डॉक्टर ने अक्षर A की तलाश की तो उसने सही कार्ड पकड़ लिया और उसे डॉक्टर के हाथ में दे दिया. कुछ ही समय में जिम ने B कार्ड, फिर C कार्ड, फिर उसने Z कार्ड तक लाना सीख लिया. डॉक्टर को गर्व था. उन्होंने प्रत्येक सही उत्तर के लिए जिम को एक सेब या एक चीनी का टुकड़ा इनाम में दिया.

फिर डॉक्टर ने जिम ने शब्दों के लिए अक्षरों को आपस में जोड़ा, योग बनाने के लिए संख्याओं का चयन किया, राज्यों की पहचान करने के लिए झंडे ढूंढे, समय बताने के लिए घड़ी की सूइयों को घुमाया और भी बहुत कुछ किया.

जब जिम के लिए लिखना सीखने का समय आया, तो डॉक्टर ने ब्लैकबोर्ड पर चीनी से जिम का नाम लिख दिया. घोड़े को अपने नाम के पैटर्न को चाटना सीखने में कई महीने लग गए. फिर डॉक्टर ने जिम के दांतों के बीच कुछ चाक खिसका दी ताकि घोड़ा अपना नाम लिख सके. लेकिन चाक टूट कर बिखर गई. जिम को एक बड़े चाक के टुकड़े की जरूरत थी.

जिम ने निजी कक्षा में सात साल बिताए. डॉक्टर ने जिम पर जितनी अधिक दयालुता दिखाई, घोड़ा सीखने के लिए उतना ही अधिक इच्छुक हुआ.

डॉक्टर अब दुनिया को यह दिखाने के लिए तैयार थे कि उनका जिम क्या-क्या कर सकता था.

उन्हें मौका 1897 में टेनेसी सेंटेनियल एक्सपोज़िशन में मिला, जो नैशविले में आयोजित एक विशाल मेला था. डॉक्टर को एक ऐसी इमारत की योजना बनाने में मदद करने के लिए कहा गया था जहां अफ्रीकी-अमेरिकी अपनी कला, संस्कृति और आविष्कारों का प्रदर्शन कर सकें.

डॉक्टर ने मेला निदेशकों से पूछा कि क्या वो अपने घोड़े जिम का प्रदर्शन कर सकते थे. पहले तो सब लोग हंसे. एक घोड़ा जो पढ़ सकता था, जादू कर सकता था, लिख सकता था और कुछ काम कर सकता था? हास्यास्पद! लेकिन मेले के आयोजकों में से एक के रूप में, डॉक्टर ने ज़ोर देकर कहा कि जिम का अपना एक अलग स्टॉल हो.

जल्द ही आगंतुक जिम को देखने के लिए विशाल झूले और एडिसन की नई चलती-फिरती पिक्चर मशीन से दूर टहल रहे थे. पूरे मेले के मैदान में, लोग उस उल्लेखनीय शिक्षित घोड़े के बारे में बातें करते रहे.

एक विशेष शो के दौरान, डॉक्टर ने खचाखच भरी भीड़ का अभिवादन किया, फिर वो जिम की ओर मुड़े.

"जिम, क्या तुम मुझे दिखा सकते हो कि आज राष्ट्रपति मैककिनले कहां बैठे हैं?" डॉक्टर ने जिम से पूछा. फिर जिम मंच पर अकड़कर आया, वो अमेरिका के राष्ट्रपति के सामने पहुंचकर वहां झुका. फिर जिम कार्ड रैक के पास गया, उसने नाम-कार्डों को स्कैन किया और वो कार्ड चुना जिस पर लिखा था "मैककिनले." फिर कमरे में एक चीख गूंज उठी.
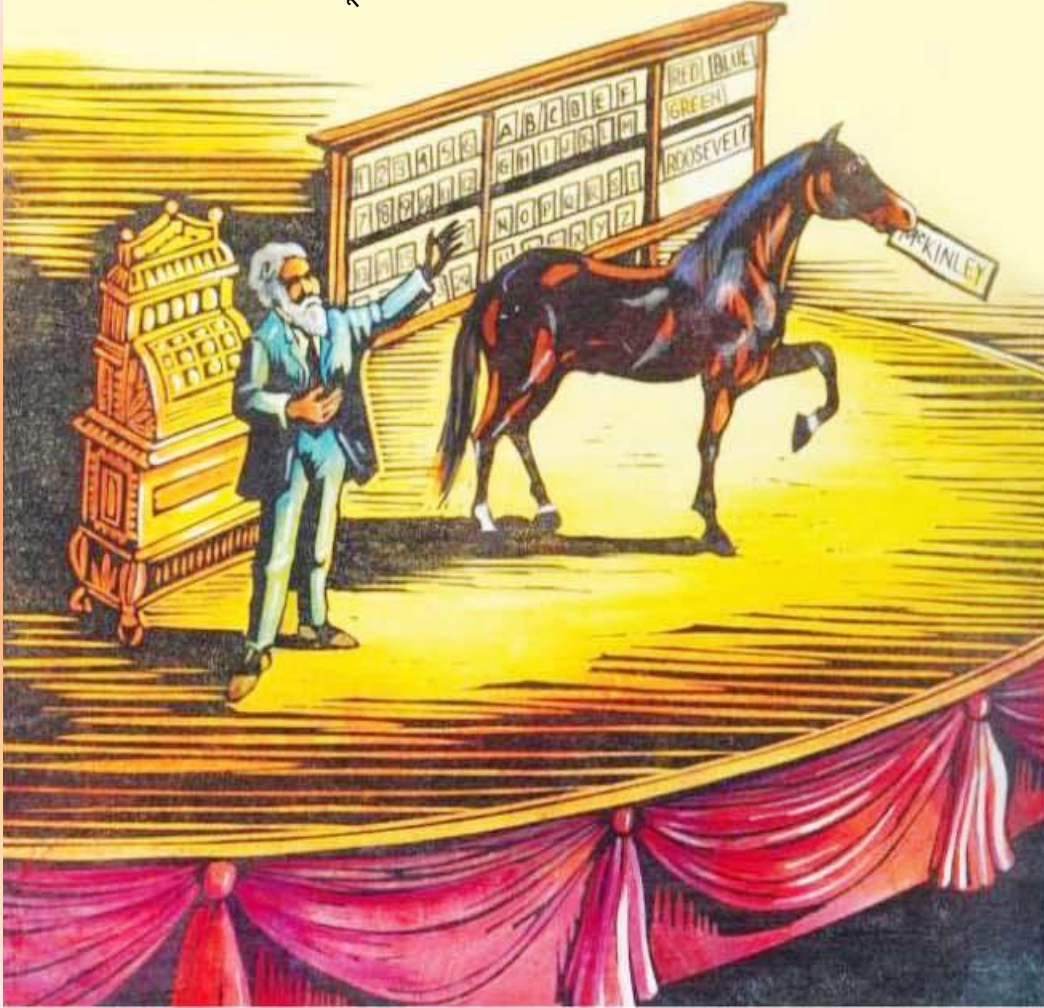
श्रोता सदस्य चिल्ला-चिल्लाकर जिम से अलग-अलग अनुरोध करने लगे. "इस शब्द का उच्चारण करो." "इन संख्याओं को विभाजित करो." "वो कार्ड उठाओ." "वो पत्र लाओ." जिम ने वो सब बिना किसी गलती के किया. उसने ब्लैकबोर्ड पर अपना नाम भी लिखा: J-I-M-K-E-Y

लोगों को अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो रहा था. भला एक घोड़ा ऐसी चीजें करना कैसे सीख सकता था?

"कोड़े मारना घोड़े को जिद्दी बनाता है और तब वो डरकर आज्ञा का पालन करता है." डॉक्टर ने समझाया, "दया, दयालुता, और अधिक दयालुता, ही सिखाने का सही तरीका है."

टेनेसी सेंटेनियल प्रदर्शनी के बाद, डॉक्टर और जिम, फिर से सड़क पर लम्बी यात्रा के लिए निकले. इस बार उनके पास एक बड़ा प्रमोटर था - अल्बर्ट रोजर्स, उनके प्रदर्शन की व्यवस्था करने के लिए. जिम के उल्लेखनीय कौशल की खबर पूरे देश में फैल गई. प्रशंसनीय पत्रकारों ने घोड़े को ब्यूटीफुल जिम-की बुलाना शुरू कर दिया. वो नाम उसपर चिपक गया.

डॉक्टर और ब्यूटीफुल जिम-की ने देश भर में प्रदर्शन किया, लेकिन जितना अधिक वे दक्षिण की ओर गए, डॉक्टर को उतना ही अधिक नस्लीय भेदभाव का सामना करना पड़ा. अक्सर उन्हें गोरों के रेस्तरां में खाना खाने, गोरों के होटल में सोने या गोरे लोगों की तरह एक ही रेलरोड कार में यात्रा करने की अनुमति नहीं थी.
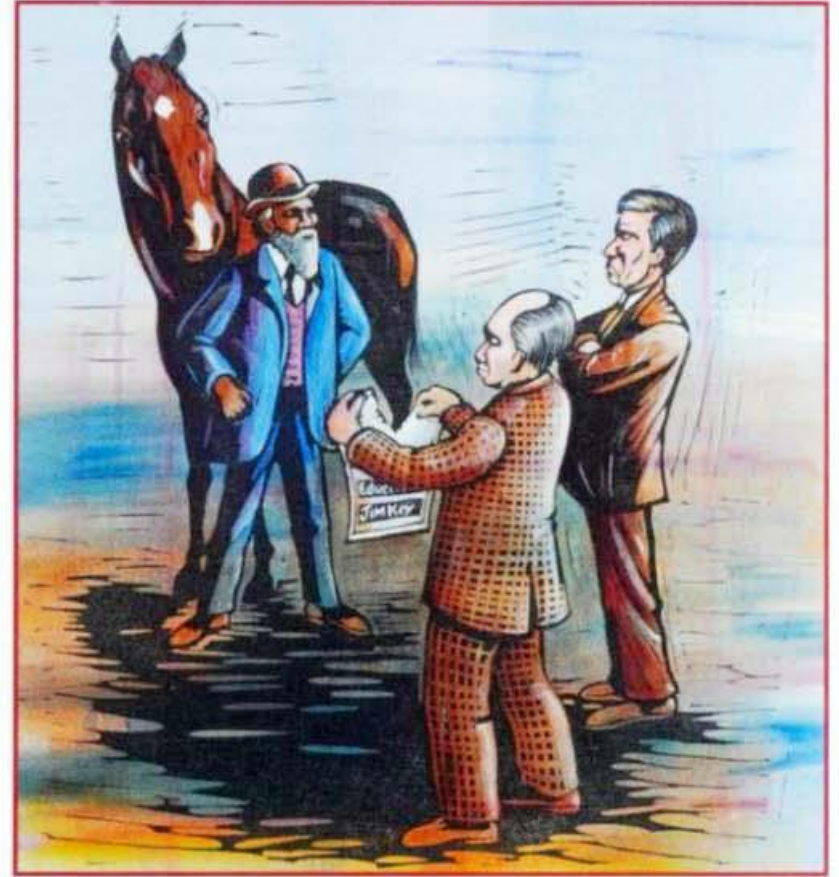
कभी-कभी डॉक और जिम को प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं मिलती थी, क्योंकि लोग डॉक के घोड़े की कुशलता के दावों पर विश्वास नहीं करते थे. जब डॉक ने ओहियो, सिनसिनाटी में स्कूलों के लिए प्रदर्शन करने की पेशकश की, तो एक स्कूल बोर्ड के सदस्य ने उत्तर दिया, "घोड़े के शो के लिए हम अपने स्कूल बंद नहीं कर सकते." और जो लोग डॉक के सौम्य प्रशिक्षण तरीकों के बारे में नहीं जानते थे, उन्हें लगता था कि जिम के साथ दुर्व्यवहार हुआ हो और तभी वो डर के मारे प्रदर्शन कर रहा था.

कुछ समय बाद, डॉक्टर और जिम ने मानवीय समाजों, ऐसे लोगों के समूहों का ध्यान आकर्षित किया जो जानवरों के प्रति क्रूरता को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध थे. डॉक की तरह, मानवीय समाज के सदस्यों का भी मानना था कि जानवर बुद्धिमान होते हैं, उनमें भावनाओं होती हैं और अगर उनके साथ अच्छा व्यवहार किया जाए तो वे सीखने के इच्छुक होते हैं. सभी जानवर सुरक्षा के पात्र होते थे. सुंदर जिम-की उनके उद्देश्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए एकदम सही जानवर था.

जिम के प्रदर्शन के टिकटों की बिक्री का एक हिस्सा मानवीय समूहों को दान कर दिया गया था. इस पैसे का उपयोग घोड़ों के लिए एम्बुलेंस और बचाव क्रेन खरीदने, शैक्षिक कार्यक्रमों को निधि देने और पुस्तकालयों के लिए जानवरों के बारे में किताबें खरीदने के लिए किया गया था. अपनी बढ़ती प्रसिद्धि के साथ, डॉक्टर और जिम जानवरों के प्रति दयालुता के उद्देश्य को बढ़ावा देने में मदद कर रहे थे.
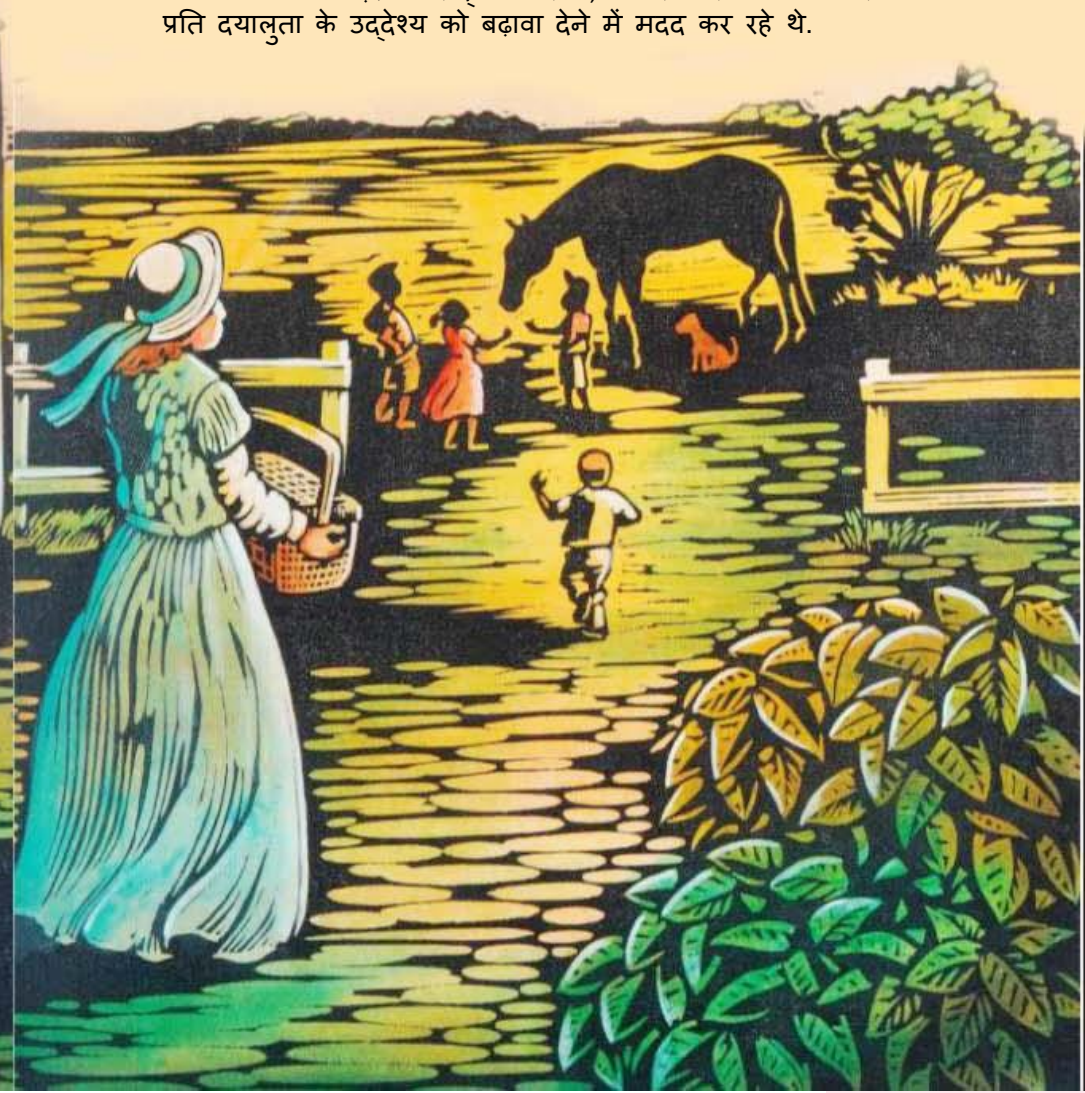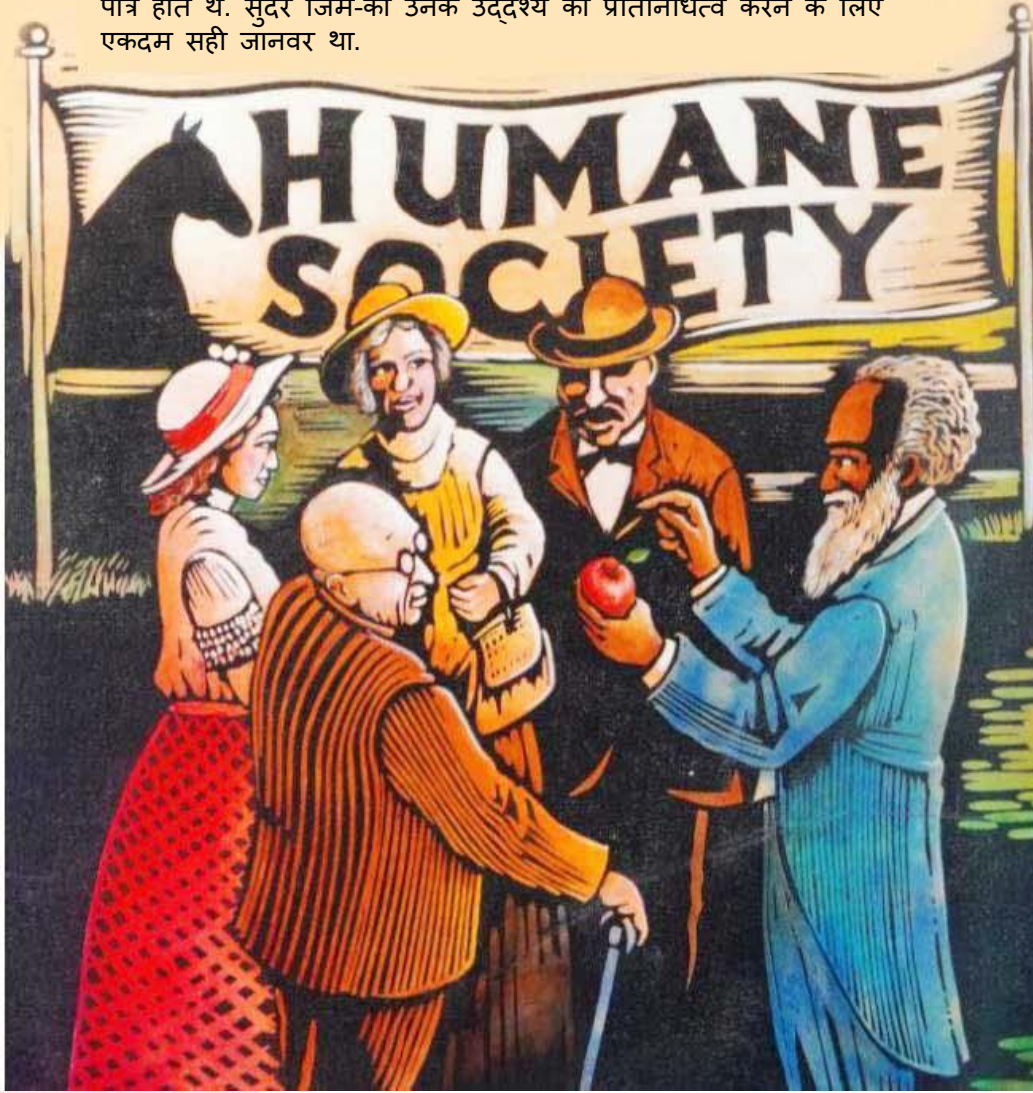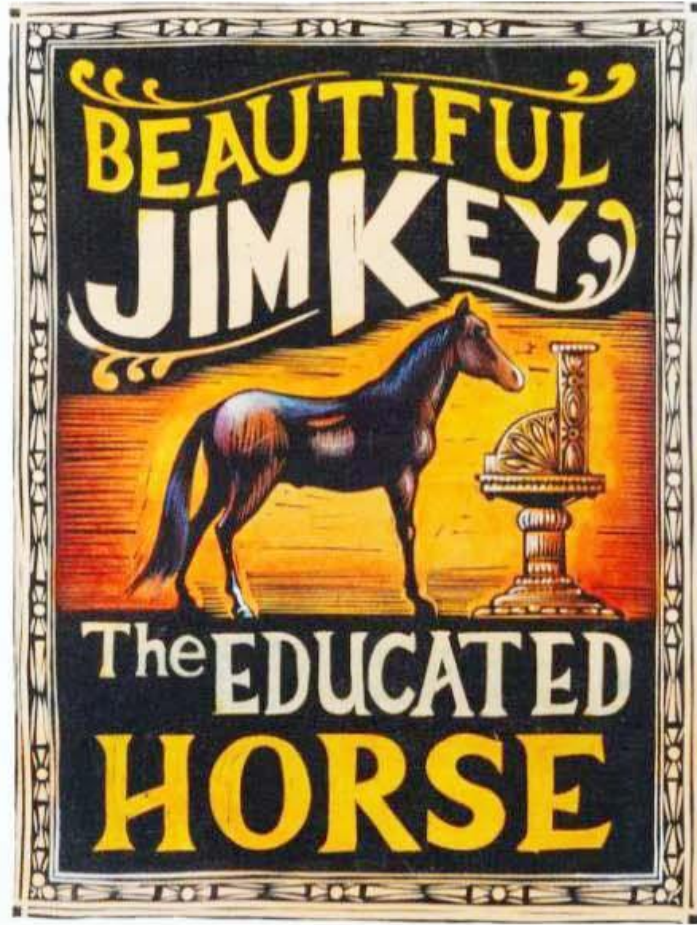
डॉक और जिम को प्रतिष्ठित मंच पर लाने के लिए अल्बर्ट रोजर्स ने कड़ी मेहनत की. न्यूयॉर्क में, उन्होंने अपने स्वयं के ब्रॉडवे नाटक: "द स्कॉलर एंड ए मॉडल ऑफिस बॉय" में प्रदर्शन करने के लिए डॉक और जिम को आमंत्रित किया. घोड़े जिम ने एक छात्र और एक क्लर्क की भूमिका निभाई. उसने फोन का जवाब दिया, स्कूल की घंटियां बजाईं, रंगों की पहचान की, कैश रजिस्टर में बदलाव किया, पत्र सही स्थान पर रखे और भी बहुत कुछ किया.

सेंट लुइस में एक प्रदर्शन में, जिम ने अपने गणित कौशल का प्रदर्शन किया. एक आदमी ने आवाज़ लगाई. यदि आप सात लें, उसे तीन से गुणा करें, उसमें नौ जोड़ें, और फिर उसे तीन से विभाजित करके उसमें से सात घटायें तो क्या उत्तर होगा?"

जिम एक क्षण के लिए रुका, फिर उसने "3" अंक वाला कार्ड उठाया.

वो आदमी अपने पैरों पर खड़ा हो गया, "तुम गलत हो, जिम," वो चिल्लाया "उत्तर सात है."

जिम ने सिर हिलाया. नहीं, नहीं, नहीं. दर्शकों ने फिर जल्दी से गणित का वो सवाल हल किया. यह पता चला कि जिम सही था. जवाब तीन ही था.

लोगों ने डॉक्टर से पूछा कि क्या कोई भी घोड़ा उन कौशलों को सीख सकता है जिनमें जिम ने महारत हासिल की है. उन्होंने हां कहा, बशर्ते उनके साथ दुर्व्यवहार न किया गया हो.
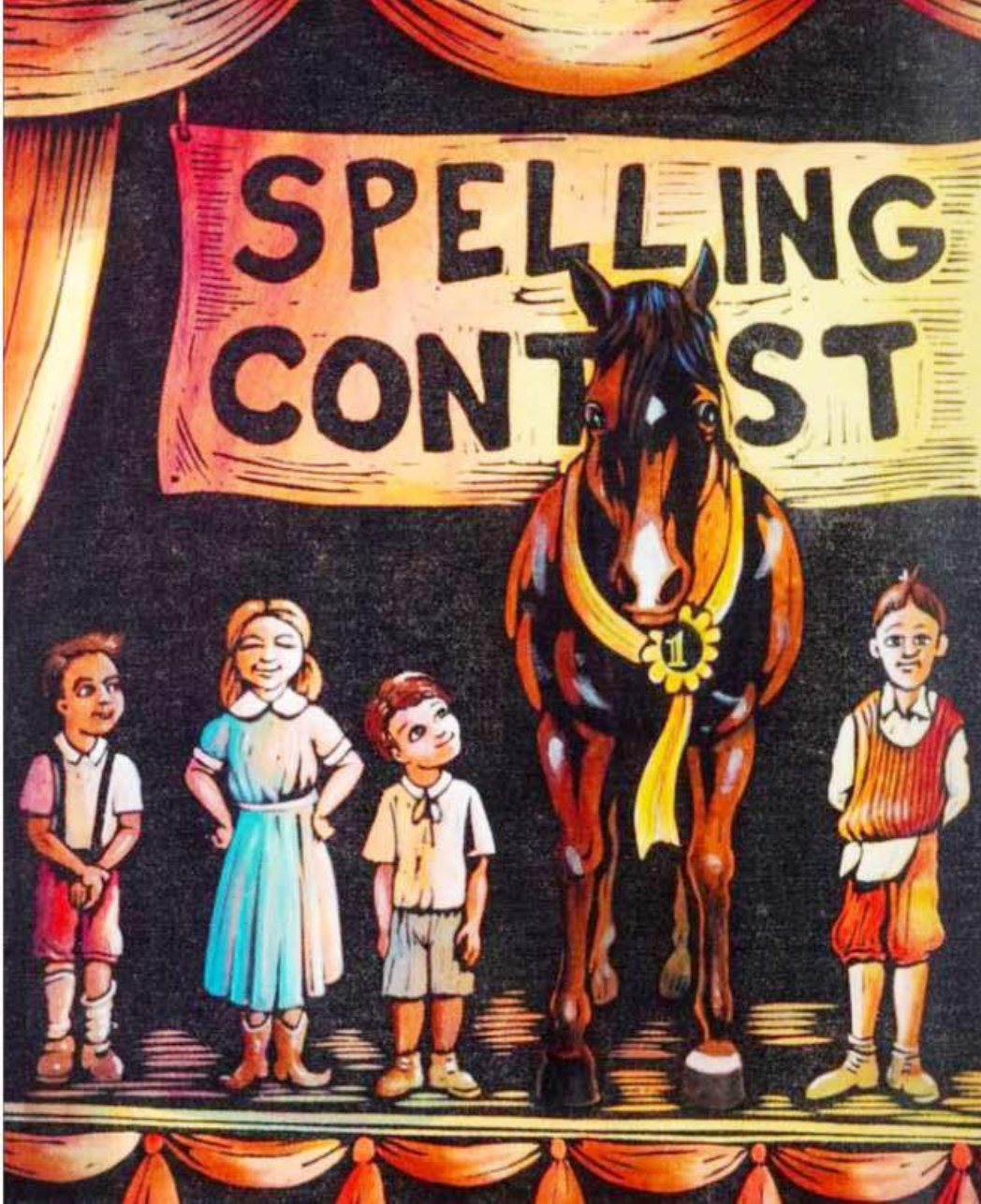
1898 तक, देश भर के स्कूल जिलों ने निर्णय लिया था कि डॉक की और ब्यूटीफुल जिम-की शिक्षा और दयालुता के आदर्श उदाहरण थे. उन्होंने स्कूल के दिन छुट्टी कर दी, ताकि छात्र जिम का प्रदर्शन देख सकें.

बच्चे "दुनिया के सबसे उच्च शिक्षित घोड़े" के विरुद्ध स्पेलिंग-बी में प्रतिस्पर्धा करने के लिए कतार में खड़े हुए. सेंट लुइस मिसौरी में. जिम ने R-E-V-E L-A T-I O-N शब्द की स्पेलिंग लिखकर जीत हासिल की. मिनियापोलिस में, मिनेसोटा, जिम ने बाल्टीमोर में I-S-A-I-A-H नाम से जीत हासिल की. मैरीलैंड, में उसने P-H-Y-S-I-C-S शब्द की स्पेलिंग से जीत हासिल की. अन्य शहर जिम का परीक्षण करने के लिए अलग-अलग शब्द लेकर आए. उनमें अधिकांश बार जिम ही जीता.

संयुक्त राज्य भर में, लगभग 20 लाख बच्चों ने आधिकारिक जिम-की वाली प्रतिज्ञा ली "मैं हमेशा जानवरों के प्रति दयालु रहने का वादा करता हूं." बच्चों ने इस प्रतिज्ञा पर अपने हस्ताक्षर किए.

डॉक-की और ब्यूटीफुल जिम-की अब प्रसिद्ध हो गए थे. उन्हें देखने के लिए देश भर के कोलिज़ीयम, थिएटर और संगीत हॉल में रिकॉर्ड तोड़ भीड़ उमड़ पड़ी थी. प्रत्येक शहर और कस्बे में, हजारों लोगों ने डॉक्टर और जिम के प्रदर्शन में भाग लेने के लिए टिकट खरीदे. कभी-कभी उत्साही प्रशंसकों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस अधिकारियों को हस्तक्षेप करना पड़ता था.
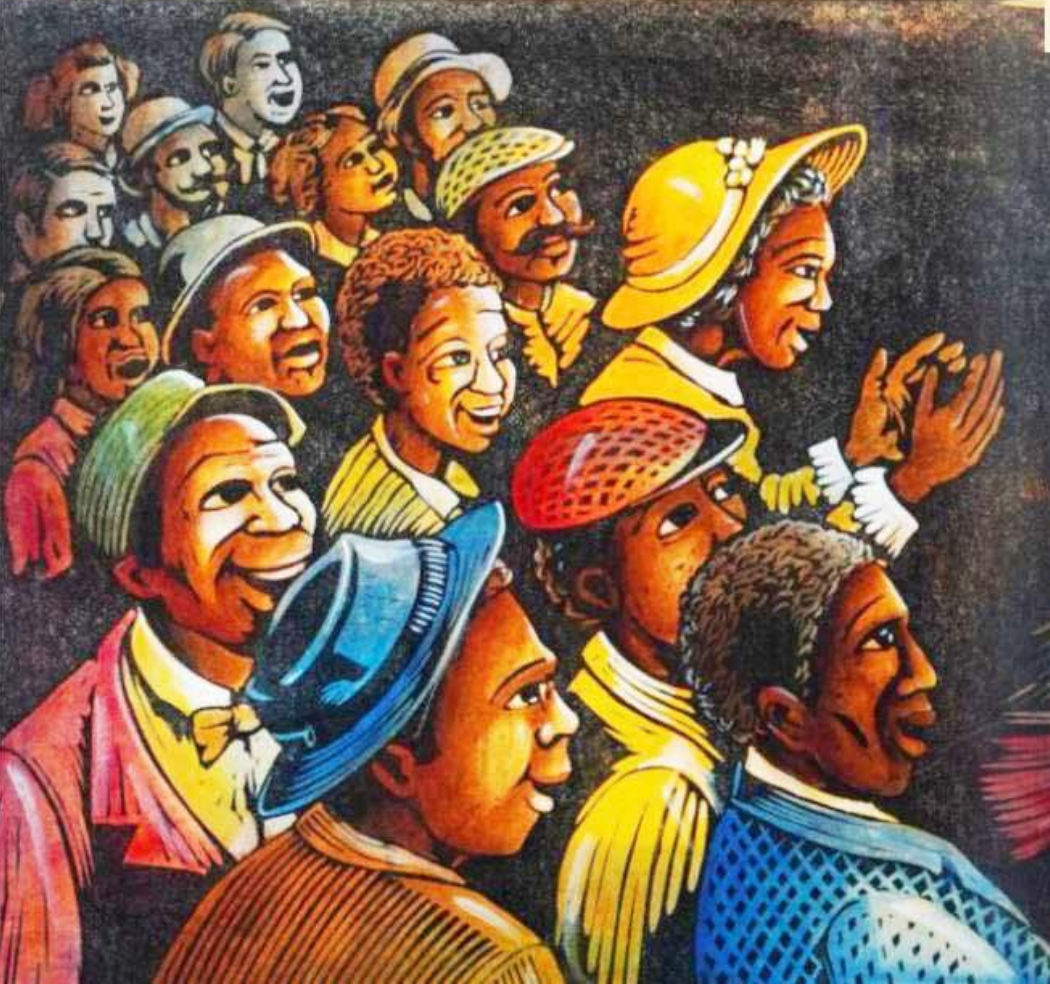
डॉक्टर और जिम को उन मंचों पर प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया था जहां पहले केवल श्वेत मनोरंजनकर्ताओं का ही स्वागत किया जाता था. डॉक्टर ने अलग-अलग बैठने की उस व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया जिसमें अफ्रीकी-अमेरिकियों को सबसे खराब सीटों पर जाने के लिए मजबूर किया जाता था. उन्होंने सभी के लिए समान बैठने की व्यवस्था वाले विशेष प्रदर्शन पर जोर दिया. ज़मीन के मालिक उनसे सहमत हो गए. वे देश के सबसे लोकप्रिय आकर्षण के साथ बहस नहीं कर पाए.
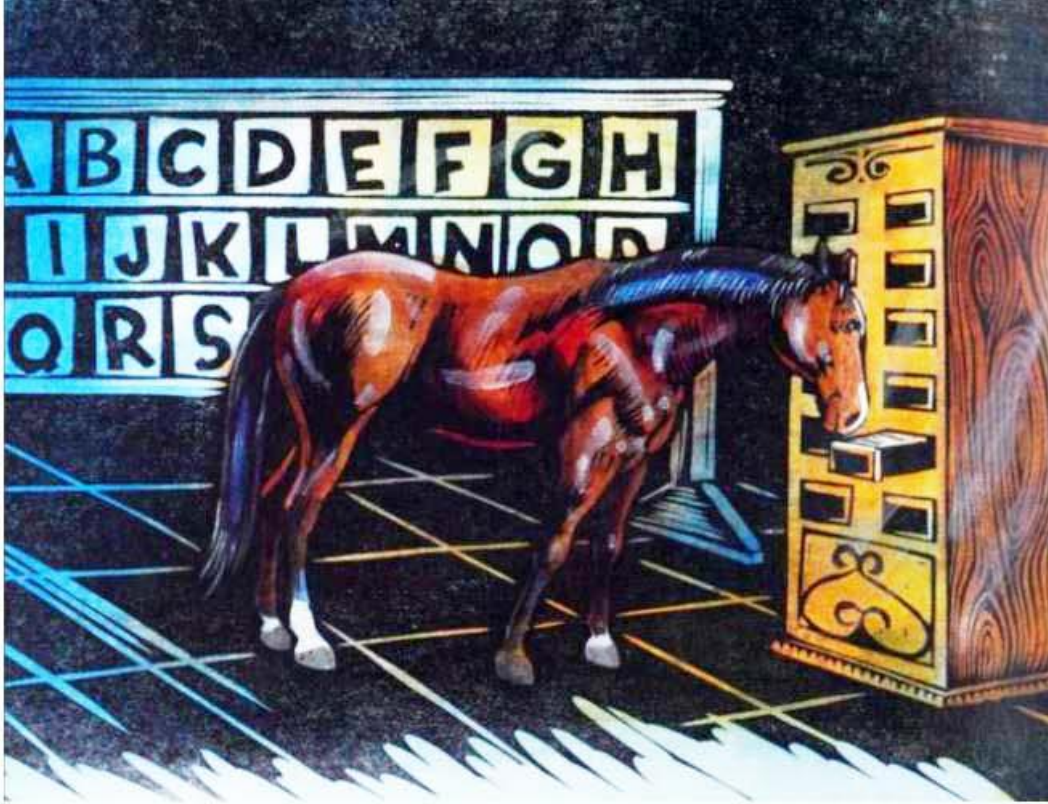
जिम के कई कौशलों के बावजूद, संशयवादियों ने यह साबित करने की कोशिश की कि डॉक्टर और जिम का कृत्य एक धोखा था. उन्होंने अक्षरों को खंगाल डाला, संख्याओं को मिला दिया, रंग और झंडे बिखेर दिये. लेकिन जिम को वो मूर्ख नहीं बना सके. 1901 में, हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों द्वारा एक जांच की गई. उन्होंने चालाकी के संकेतों की तलाश में डॉक्टर और जिम के प्रदर्शन का अध्ययन किया. उन्होंने डॉक्टर से कई सवाल पूछे.

"कुछ लोग कहते हैं कि यह सम्मोहन या उस तरह की कोई चीज़ है, लेकिन मैं उसके बारे में कुछ नहीं जानता हूं," डॉक्टर ने कहा, "लेकिन मैं इतना जानता हूं कि मैं जिम से जो कुछ करने को कहता हूं वो उसे करता है."

अगले दिन बोस्टन डेली ग्लोब अखबार ने हार्वर्ड अध्ययन के परिणामों के साथ एक लेख छापा. हार्वर्ड के प्रोफेसर इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि उन प्रदर्शनों में कोई भी चालबाजी या धोखा नहीं था. उन्होंने कहा, "यह बस शिक्षा थी."

1906 तक, तिहत्तर वर्षीय डॉक्टर और सत्रह वर्षीय जिम थक गये थे. नौ वर्षों तक उन्होंने देश भर की यात्रा की थी. अब शेल्बीविले की पहाड़ियों पर उनके लिए अपने घर जाने का समय आ गया था जहां वे एक साथ सीखना और खेलना जारी रख सकते थे. उन्होंने लाखों लोगों के सामबे यह साबित कर दिया था कि डॉक-की का हमेशा से मानना था: दयालुता से कुछ भी संभव होता है.

"उम्मीद है कि जो लोग जिम-की से मिले हैं, वे अपने साथ जानवरों के प्रति दयालु सम्मान लेकर आए होंगे और हमारे दोस्तों की देखभाल के लिए जो कुछ भी उनकी शक्ति में होगा, उसके लिए प्रतिबद्ध होंगे."

-'ए ट्रिब्यूट टू जिम-की' से, अटलांटा संविधान, 23 दिसंबर, 1898

अंत के शब्द

विलियम डॉक-की 1900

विलियम "डॉक्टर-की" का जन्म विनचेस्टर, टेनेसी में हुआ था. उनके जन्म का असली वर्ष अज्ञात है, हालांकि कई ऐतिहासिक दस्तावेज़ 1833 का समर्थन करते हैं, जो उनकी कब्र पर लिखी तारीख भी है. जब विलियम एक छोटा बच्चा था, तो उसे और उसका गुलाम परिवार जॉन डब्ल्यू. की शेल्बीविले, टेनेसी को, विरासत में मिला था. जैसा कि रिवाज था, विलियम को उसके मालिक का उपनाम दिया गया था. यद्यपि वो एक गुलाम था, विलियम का की-परिवार के साथ आश्चर्यजनक रूप से घनिष्ठ संबंध था, शायद इसलिए कि जॉन-की के चाचा विलियम के पिता रहे होंगे, जिससे जॉन और विलियम चचेरे भाई बन गए.

विलियम को उसकी पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया गया और माना जाता है कि कभी-कभी वो उनके बेटों के साथ भी पढ़ाई में शामिल हो जाता था, जो उससे छोटे थे. विलियम को अन्य गुलाम लोगों को चिकित्सा देखभाल प्रदान करने और जानवरों की मदद करने के लिए की के खेतों से दूर अकेले यात्रा करने की भी अनुमति भी थी. हम शायद पूरी कहानी कभी नहीं जान पाएंगे, लेकिन वर्षों बाद डॉक्टर ने टिप्पणी की, "मैं उन भाग्यशाली व्यक्तियों में से एक था जिसके पास एक दयालु मालिक था."

जब 1861 में गृहयुद्ध छिड़ गया, तो कीज़ के दो बेटे, मेरिट और अलेक्जेंडर, कॉन्फेडरेट सेना में शामिल हो गए, उनके बाद उनका छोटे भाई जॉन एफ. भी उसमें शामिल हुआ. विलियम, जो तब डॉक के नाम से जाना जाता था, उन ताकतों का विरोध करता था जो गुलामी को बनाये रखना चाहती थीं. लेकिन उसने कीज़ के बेटों को सुरक्षित रखना अपना कर्तव्य महसूस किया. इसलिए, वो युद्ध में उनके साथ गया.

डॉक उन हजारों अफ्रीकी-अमेरिकियों में से था, जिन्होंने कॉन्फेडरेट पक्ष में नौकर, रसोइया और मजदूर जैसी गैर-लड़ाकू भूमिकाओं में काम किया था. अपने कौशल के कारण उन्होंने एक चिकित्सक और सर्जन के रूप में काम किया और घायल संघीय सैनिकों और घोड़ों का इलाज किया. कभी-कभी उन्हें घर लौटने के लिए अस्थायी छुट्टी मिलती थी. डॉक्टर उन अवसरों का उपयोग गुलाम लोगों को भूमिगत रेलमार्ग से आज़ादी कराने ओर भागने में मदद करने के लिए करते थे.

टेनेसी में अधिकांश गुलाम लोगों को गृहयुद्ध के दौरान आज़ादी मिली, जबकि राज्य संघ के नियंत्रण में था. एक बार स्वतंत्र होने के बाद डॉक्टर, यूनियन या संघ के उद्देश्य का समर्थन करने के लिए उत्सुक थे. उन्होंने एक मार्गदर्शक के रूप में काम किया और संघ के सैनिकों को संघीय शिविरों में छिपाया. दो बार संघ अधिकारियों ने उन्हें पकड़ा और उन पर जासूस होने का आरोप लगाया. हर बार डॉक्टर फांसी से बाल-बाल बच निकले.

जब 1865 में युद्ध समाप्त हुआ, तो डॉक्टर ने कीज़ लड़कों को सुरक्षित रूप से घर पहुंचाया. फिर एक आज़ाद नागरिक के रूप में डॉक्टर ने कड़ी मेहनत की और अपना पैसा बचाया. कोई औपचारिक शिक्षा न होने के बावजूद, कुछ ही वर्षों में वो एक धनी और प्रतिष्ठित व्यवसायी बन गये. जैसे-जैसे उनकी व्यावसायिक रुचियां बढ़ीं, उनके खेतों और घर का भी विकास हुआ. डॉक्टर की चार बार शादी हुई. दुःख की बात यह है कि उनकी पहली तीन पत्नियां मर गईं. हालांकि उनकी अपनी कोई संतान नहीं थी, लेकिन विस्तृत परिवार के अन्य सदस्य अक्सर डॉक के घर में रहते थे, जब तक कि उन्होंने अपनी संपत्ति पर उनके लिए दूसरा घर नहीं बनाया.

जिम-की मेल कैबिनेट में पत्र डाल रहा है

डॉक्टर ने व्यापक रूप से पढ़ा, राजनीति में गहरी रुचि ली और फिर वे एक स्व-शिक्षित पशुचिकित्सक बन गए. पशु रोगियों के साथ काम करते समय "बेल्स हैंडबुक ऑफ़ वेटरनरी होम्योपैथी" उन संसाधनों में से एक थी जिसका उपयोग उन्होंने बखूबी किया. उनकी सबसे बड़ी वितीय सफलता की-स्टोन लिनिमेंट नामक मलहम थी, जो उन्होंने खुद तैयार किया था. डॉक्टर अक्सर अपने मेडिसिन वैगन के साथ देश भर में यात्रा करते थे, घोड़ों पर व्याख्यान देते थे और अपना मलहम बेचते थे. भीड़ को इकठ्ठा करने के लिए, वह कभी-कभी काले मनोरंजनकर्ताओं के साथ-साथ एक पालतू बंदर और एक टट्टू भी साथ ले जाते थे जिन्हें उन्होंने करतब दिखाना सिखाया था. इन्हीं यात्राओं में से एक के दौरान डॉक्टर ने जिम की की मां, लॉरेटा को खरीदा था.

लॉरेटा पर दुनिया में सबसे शुद्ध अरबी, "घोड़ों की रानी" होने का दावा था. कहानी के अनुसार, उसे एक फ़ारसी शेख से चुराया गया था और पहले सर्कस के संस्थापक पी. टी. बार्नम को लगभग पचास हजार डॉलर में बेच दिया गया था. अंततः लॉरेटा को बेच दिया गया लेकिन गरीब सर्कस के मालिकों ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उसकी उपेक्षा की. डॉक और जिम के प्रमोटर अल्बर्ट रोजर्स के अनुसार, डॉक ने लॉरेटा के जीवन को बदल दिया.
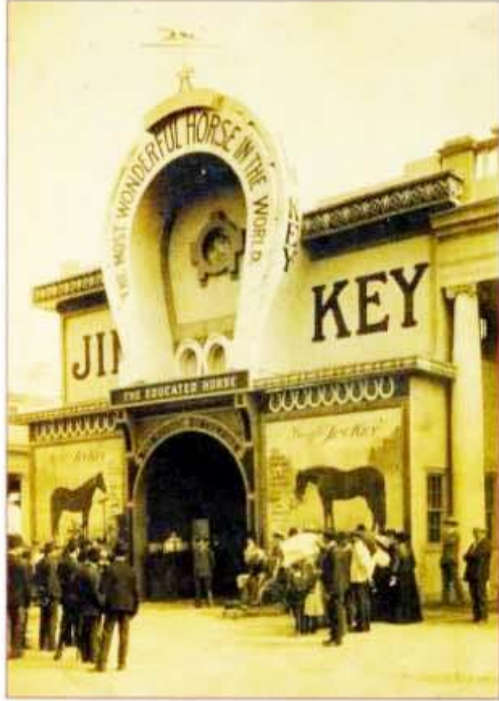
जिम-की के सिल्वर हॉर्सशू पैवेलियन में प्रवेश, लुइसियाना खरीद प्रदर्शनी, सेंट लुइस, 1904.

मिसिसिपी में पाया. डॉक ने उसकी देखभाल करके उसे स्वस्थ किया, इसके बाद वह लॉरेटा को अपने मेडिसिन शो में ले गए. उन्होंने दावा किया कि वह अब तक का सबसे चतुर घोड़ा था. जब लॉरेटा के बच्चे का जन्म हुआ तो डॉक्टर को उस डगमगाते बच्चे के लिए बहुत कम आशा थी. लेकिन उन्हें यह पता नहीं था कि वो और जिम दुनिया डॉक और ब्यूटीफुल जिम-की का प्रदर्शन इस पुस्तक में उल्लेखित प्रदर्शन से कहीं बेहतर था. जिम अपने खुरों से गिनती करता था, कैश रजिस्टर में बदलाव करता था, क्रैंक ऑर्गन और टेलीफोन चलाता था और समय बताता था. उसने ताश के पत्तों, रंगों, झंडों और बाइबिल के अंशों की भी पहचान की. उसने वर्णानुक्रम में पत्र सजाए और डॉक्टर के अनुरोध पर संदूक से अलग-अलग चीज़ें निकलीं. जिम की सबसे प्रसिद्ध चाल थी एक बूंद पानी पिए बिना एक बाल्टी में पानी से चांदी का डॉलर निकालना.

डॉक्टर-की और जिम-की मोंक के साथ (कुर्सी पर)

घोड़े में हास्य की भावना भी थी. जब डॉक्टर ने उसे बेचने के बारे में चिढ़ाया, तो जिम लड़खड़ाकर चलने लगा और ऐसे व्यवहार करने लगा जैसे वह मर रहा हो. फिर डॉक्टर ने घोषणा की कि उन्होंने अपना इरादा बदल दिया था.

1887 की टेनेसी सेंटेनियल प्रदर्शनी में नीग्रो बिल्डिंग नामक एक भव्य इमारत दिखाई गई, जहां जिम ने प्रदर्शन किया. उस समय, नीग्रो शब्द जिसका स्पेनिश और पुर्तगाली में अर्थ "काला" होता था, का उपयोग अफ्रीकी मूल के लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जाता था, लेकिन आज स्वीकृत शब्द अफ्रीकी-अमेरिकी और अश्वेत हैं. प्रेसिडेंट मैककिनले द्वारा प्रदर्शनी में जिम के प्रदर्शन की प्रशंसा करने के बाद, अल्बर्ट रोजर्स ने अपना परिचय डॉक से कराया. मनोरंजन कार्यों के प्रवर्तक और मानवीय कारणों में रुचि रखने वाले एक परोपकारी व्यक्ति के रूप में, रोजर्स, डॉक के लिए एक आदर्श भागीदार बने. रोजर्स, डॉक और जिम को उन चरणों तक पहुंच दिलाने में भी सक्षम रहे जहां आम तौर पर अफ्रीकी-अमेरिकी कलाकार नहीं पहुंच सकते थे.

जिम की बुद्धिमत्ता से दर्शक हमेशा आश्चर्यचकित रह जाते थे. जिम के शो के उल्लेखनीय अतिथियों में शिक्षक बुकर टी. वाशिंगटन, बैंडलीडर जॉन फिलिप सूसा, भावी राष्ट्रपति विलियम एच. टैफ्ट और राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट की बेटी एलिस रूजवेल्ट शामिल हुए. फिर भी अपने पूरे करियर के दौरान डॉक्टर और जिम को संशय का सामना करना पड़ता रहा. जालसाज़ी और धोखेबाज़ी का कोई सबूत कभी नहीं पाया गया. लेकिन कुछ लोगों का मानना था कि डॉक्टर ने या तो जिम को सम्मोहित किया या जिम की प्रतिक्रियाओं को निर्देशित करने के लिए सूक्ष्म शारीरिक भाषा और अन्य संकेतों का इस्तेमाल किया

हालांकि हम अभी भी जिम के कई स्पष्ट कौशलों की व्याख्या नहीं कर सकते हैं, लेकिन यह उल्लेखनीय है कि घोड़े ने शायद ही कभी कोई गलती की हो. एक बार एक रिपोर्टर बिना बताए जिम के स्टॉल पर आ गया और अकेले में जिम का परीक्षण लेने लगा. लेकिन जिम को इनाम देने के लिए उस आदमी की जेब में कोई सेब नहीं था. जब डॉक्टर लौटे और जिम से पूछा कि यह कैसे हुआ, तो घोड़े ने F-R-U-I-T-L-E-S-S शब्द का उच्चारण किया.

डॉक्टर-की और ब्यूटीफुल जिम-की

अपनी यात्रा के दौरान डॉक्टर को घायल पैर वाला एक मैला-कुचैला आवारा कुत्ता मिल गया. वो कुत्ते को घर ले आए, उसके घावों की देखभाल की और कुत्ते का नाम मोंक रखा. फिर मोंक और जिम अविभाज्य मित्र बन गए. कुत्ते को जिम की पीठ पर बैठना अच्छा लगता था और वह घोड़े के निजी अंगरक्षक के रूप में काम करता था!

जिम एक लाड़-प्यार वाली हस्ती था, लेकिन कई जानवरों के लिए उन्नीसवीं सदी विशेष रूप से क्रूर समय था. हर साल हज़ारों घोड़े स्ट्रीटकार खींचते थे और अधिक काम करने और दुर्व्यवहार के कारण मर जाते थे. अक्सर लोग अपनी निराशा और गुस्सा बड़े और छोटे जानवरों पर निकालते थे, उनका मानना था कि जानवर सोच नहीं सकते, तर्क नहीं कर सकते, या दर्द महसूस नहीं करते थे. 1866 में, हेनरी बर्ग ने "अमेरिकन सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स" (ASPCA), की स्थापना की, 1868 में, जॉर्ज एंजेल ने मैसाचुसेट्स SPCA और बाद में अमेरिकन ह्यूमेन एजुकेशन सोसाइटी की स्थापना की. अधिक मानवीय समाजों ने अनुसरण किया. जब डॉक और जिम ने दिखाया कि जानवरों को प्रशिक्षित करते समय क्रूरता की तुलना में दयालुता अधिक शक्तिशाली उपकरण है, तो प्रत्येक संगठन ने उन्हें अपना समर्थन दिया. जॉर्ज एंजेल ने ब्यूटीफुल जिम-की को "लिविंग एक्जामपिल अवार्ड" से सम्मानित किया. डॉक को मानवता सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया, एक स्वर्ण पदक जिस पर लिखा था "ईश्वर की महिमा. पृथ्वी पर शांति. सभी हानिरहित जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता."

नौ साल के प्रदर्शन के दौरान, लगभग दस मिलियन लोगों ने डॉक्टर और जिम के बीच प्रेमपूर्ण बंधन देखा. टिकट से प्राप्त धन से संयुक्त राज्य भर में मानवीय समाजों को समर्थन देने में मदद मिली. अन्य गतिविधियों के अलावा, इन संगठनों ने क्रूरता विरोधी कानून लागू किए और बेघर जानवरों को आश्रय देना शुरू किया. लोगों ने देखा और जानवरों के साथ अपने व्यवहार को बदलना शुरू कर दिया.

डॉक और जिम ने डॉक के शेल्बीविले, टेनेसी फार्म में अपने दिन गुज़ारे. डॉक्टर की 1909 में मृत्यु हो गई और उन्हें शेल्बीविले में विलो माउंट कब्रिस्तान में दफनाया गया. जिम, पशुचिकित्सक स्टेनली डेविस की देखभाल में रहे. लेकिन अपने आजीवन मित्र को खोने के बाद घोड़े के स्वास्थ्य में तेजी से गिरावट आई. 1912 में, तेईस साल की उम्र में, जिम-की डॉक के घर के सामने वाले यार्ड में मृत्यु हो गई. आज शेल्बीविले के पास एक विनम्र स्मारक जिम और उसके दोस्त डॉक्टर, अल्बर्ट रोजर्स और मोंक को श्रद्धांजलि देता है.

डॉक्टर और जिम की विरासत आज के मजबूत मानवीय आंदोलन, बेहतर ढंग से लागू पशु क्रूरता विरोधी कानूनों और जानवरों के प्रति बेहतर सामाजिक व्यव्हार में जीवित है. लेकिन क्रूरता को ख़त्म करने की लड़ाई एक सतत लड़ाई है. ब्यूटीफुल जिम-की, डॉक-की के सभी स्थायी संदेश हमें यह याद दिलाते हैं - कि हममें से प्रत्येक को सही कदम उठाना चाहिए और दयालुता को चुनना चाहिए.